दैनिक प्रातः कालीन भारत सरकार से रजिस्टर्ड हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 03 अंक :- 196 मुरादाबाद, 04 November 2023 (Saturday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें:-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999/- में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

संक्षिप्त समाचार

हवा में जहर और बढ़ा, अस्थमा के दौरा पड़ने के मामले बढ़े, कई मरीजों को ऑक्सीजन की पड़ रही जरूरत

गाजियाबाद के दोनों जिला अस्पताल में बीते 24 घंटे में 700 से ज्यादा मरीज ऐसे पहुंचे जिन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। 56 को अस्थमा का दौरा पड़ा था। इनमें से 42 को तत्काल ऑक्सीजन देनी पड़ी।दिवाली से पहले ही हवा में घुला धूल और धुएं का जहर सांस रोगियों की सांसें संकट में डाल रहा है। गाजियाबाद में गुरुवार को दोनों जिला अस्पताल में 700 से ज्यादा मरीज ऐसे पहुंचे जिन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। 56 को अस्थमा का दौरा पड़ा था। इनमें से 42 को तत्काल ऑक्सीजन देनी पड़ी। हालत इतनी खराब हो चुकी है कि बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में हर दूसरा मरीज सांस की तकलीफ लेकर ही आ रहा है। कोई खांसते हुए आता है तो कोई छींकते हुए। गुरुवार को सरकारी और पांच बड़े निजी अस्पतालों में सांस के 752 मरीज इलाज कराने पहुंचे। एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में 73 और संयुक्त अस्पताल में 32 मरीज पहुंचे। दोनों अस्पतालों की ओपीडी में 481, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डासना, मोदीनगर, मुरादनगर, लोनी में 105 मरीज सांस लेने में परेशानी होने पर पहुंचे थे। वहीं, शहर के पांच निजी अस्पतालों में 81 मरीज आए। एमएमजी और संयुक्त अस्पताल के ओपीडी में हर दूसरा मरीज गले में खराश, सिर दर्द और बेचैनी से परेशान था। सरकारी अस्पताल में 30 फीसदी और प्राइवेट में 25 फीसदी मरीजों की वृद्धि दर्ज की गई। आईएमए के पूर्व अध्यक्ष छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष अग्रवाल ने बताया कि अचानक वायु प्रदूषण बढ़ जाना पहले से बीमार लोगों के लिए ट्रिगर का काम कर रहा है। सुबह आठ बजे ही चार ऐसे मरीज इमरजेंसी में आए जिन्हें भर्ती करना पड़ा, इनमें से तीन का ऑक्सीजन स्तर 70 से 80 के बीच था। मौसम बदलाव होने पर लोगों की प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो रही थी, लेकिन इस बार मरीजों का ऑक्सीजन स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। पहले से बीमार मरीजों को ज्यादा परेशानी एमएमजी अस्पताल के फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन ने बताया कि उनकी ओपीडी में 412 मरीज आए थे। इनमें से हर दूसरा मरीज गले में खराश और आंख में जलन की परेशानी बता रहा था।

बलिया में बोले सीएम योगी, 1942 में आजादी का एहसास भी देश को बलिया की माटी ने कराया

सीएम ने बासडीह के पिंडहरा में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में सीएम ने अपना संबोधन दिया। अपने 35 मिनट के संबोधन में सीएम ने राजनीतिक दल पर टिप्पणी करने से गुरेज किया, लेकिन अपनी सरकार की उपलब्धियों का खूब बखान किया। कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती थी कि महिला आरक्षण कानून मूर्त रुप ले। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के बलिया में पहुंचे। सीएम ने बासडीह के पिंडहरा में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन के दौरान जनपद वासियों को 128.67 करोड रुपए लागत की परियोजनाओं का उपहार दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि बलिया की धरती क्रांति है, चुनौती से अपना रास्ता बनाती है। गुलामी के दौर में आजादी की चिंगारी को सुलगाने का कार्य मंगल पांडे ने किया और देखते देखते पूरे देश में क्रांति की लहर दौड़ गई। इतना ही नहीं सन् 1942 में आजादी का एहसास भी देश को बलिया की माटी ने कराया था। इतना ही नहीं जब लोकतंत्र खतरे में था तब जयप्रकाश नारायण ने नागरिकों के मौलिक अधिकार की सुरक्षा के लिए संघर्ष किया। जिसमें जिले के सपूत और देश के पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर ने उनका साथ दिया था।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री बांसडीह के पिंडहरा में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने 35 मिनट के संबोधन में सीएम ने राजनीतिक दल पर टिप्पणी करने से गुरेज किया, लेकिन अपनी सरकार की उपलब्धियों का खूब बखान किया। कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती थी कि महिला आरक्षण कानून मूर्त रुप ले। इसीलिए उसे लंबे समय से लटकाए रखा था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छा शक्ति के आगे किसी की एक नहीं चली और मजबूरन सबकों इसका समर्थन करना पड़ा। सीएम ने कहा कि आरक्षण से महिलाओं का तेजी से विकास होगा। कहा कि दीपावली पर उज्जवला योजना के कनेक्शनधारियों को मुफ्त सिलेंडर दिया जाएगा। साथ ही बलिया के विकास के लिए गंगा और सरयू नदी में जेटी का का निर्माण कराया जाएगा। ताकि बलिया से अयोध्या सीधे जुड़ सकें। जल मार्ग का विकास होने से जिले में रोजगार सृजन होगा। कहा कि सरकार ने आयुष्मान योजना की धनराशि में बढ़ोत्तरी की है। साथ ही बेटियों को शादी के लिए 51 हजार रुपये दे रही है। बेटियों की सुरक्षा के लिए नए कायदे-कानून बनाए गए है। ताकि हमारी बेटियां बेखैफ होकर विकास में सहभागी बनें।कहा कि जिले के विकास में धन की कमी आड़े नहीं आएगी। जिले को शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज का तोहफा मिलेगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय में नए भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बलिया श्रीअन्न और सब्जी की प्राकृतिक खेती हो रही है। इसे देश और विदेशों के बाजारों में पहुंचाने के लिए सरकार काम कर रही है। महिलाओं के विकास के लिए गांव स्तर पर स्वयं सहायता समूहों की सक्रियता सराहनीय है।

वर्ल्ड फूड फेस्टिवल का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन, बोले- स्वाद और तकनीक का फ्यूजन नए भविष्य को जन्म देगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रगति मैदान में मेगा फूड इवेंट वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी शुक्रवार को प्रगति मैदान में मेगा फूड इवेंट वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री कहा, पिछले नौ वर्षों में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ के निर्यात में 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आज हमारा कृषि-निर्यात विश्व स्तर पर 7वें स्थान पर पहुंच गया है। खाद्य क्षेत्र में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जिसमें भारत ने प्रगति न की हो। यह विकास तीव्र लग सकता है, लेकिन यह निरंतर और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। हमारी सरकार के कार्यकाल के दौरान, भारत ने पहली बार कृषि क्षेत्र में निर्यात नीति लागू किया है। हमने पूरे भारत में लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे का एक नेटवर्क स्थापित किया है।पीएम ने आगे कहा कि स्वाद और तकनीक का ये फ्यूजन एक नए भविष्य को जन्म देगा, एक नई इकोनॉमी को गति प्रदान करेगा। आज की बदलती हुई दुनिया में 21वीं सदी की सबसे प्रमुख चुनौतियों में से एक फूड सिक्योरिटी भी है। इसलिए %वर्ल्ड फूड इंडिया का ये आयोजन और भी अहम हो गया है। साथ ही कहा कि भारत में प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग को उभरते क्षेत्र के रूप में देखा जाता है। पिछले नौ वर्षों में इस क्षेत्र ने एफडीआई में 50,000 करोड़ रुपए को आकर्षित किया है। यह भारत सरकार की उद्योग समर्थक और किसान समर्थक नीतियों का परिणाम है। फेस्टिवल में मिलेगा ये सब- वर्ल्ड फूड फेस्टिवल में इस बार संचारी और गैर संचारी दोनों तरह के रोगों से खुद को दूर रखने के लिए आयुष आहार दिखाई दिया। इसमें चेन्नई का पंचमुत्ती दलिया, रागी से बने दिल्ली के रग्गी लड्डू और जयपुर के त्रिफला जैम तक का स्वाद चखने को मिलेगा। केंद्रीय आयुष मंत्रालय की ओर से इसमें देश के सभी आयुष शोध संस्थान और स्टार्टअप हिस्सा ले रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, तीन से पांच नवंबर के बीच दिल्ली के प्रगति मैदान में लगातार दूसरे वर्ष सरकार विश्व खाद्य इंडिया महोत्सव मना रही है। इस वैश्विक समारोह के जरिये सरकार भारत के पारंपरिक खाद्य को दुनिया के सामने ला रही है, जिनके सेवन से स्वस्थ जीवन का आनंद लिया जा सकता है। - केंद्रीय आयुष मंत्रालय का कहना है कि इस उत्सव को खास बनाने के लिए चैन्ने के सीसीआरएस ने पंचमुत्ती दलिया, हिबिस्कस जैम, हिबिस्कस जलसेक चाय, सफेद ज्वार की गेंदें, ओक फर्न कंद सूप, फिंगर मिलेट बॉल, हलीम नाचोस और भृंगराज कन्फेक्शनरी की पेशकश की है। इनके अलावा दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के डॉक्टरों ने रग्गी लड्डू, मुदगयुषा और यवडी रोटिका प्रीमिक्स, जयपुर के राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की ओर से रग्गी कुकीज (रग्गी बाजरा के आटे से समृद्ध), एनर्जी बूस्टर (भुनी हुई जौ के साथ), त्रिफला जैम शामिल किया है।

विशेषज्ञ देंगे 36 तरह के आहार की जानकारी-महोत्सव में पुणे स्थित एनआईएन, सीसीआरयूएम और सीसीआरएएस-सीएआरआई बेंगलुरु के विशेषज्ञ कुल 36 तरह के आहार के बारे में जानकारी उपलब्ध कराएंगें। मंत्रालय का कहना है कि आयुष का मतलब सिर्फ घरेलु नुस्खे नहीं बल्कि बीमारी की रोकथाम से लेकर निदान, उपचार और मरीज के आगामी गुणवत्ता युक्त जीवन से जुड़ा है।

प्रत्येक आहार के लिए होगा क्यूआर कोड-मंत्रालय के अनुसार, आयुष आहार के लिए छह काउंटर लगाए जाएंगें। प्रत्येक संस्थान पांच से छह खाद्य प्रदर्शित करेंगे। प्रत्येक आहार के लिए क्यूआर कोड भी है। वहीं, स्टार्टअप के लिए छह स्टॉल आवंटित किए हैं जिन पर 18 स्टार्टअप अलग अलग दिन आयुष आहार प्रदर्शित करेंगे।

'सुप्रीम कोर्ट को नहीं बनने दे सकते तारीख पे तारीख अदालत', सीजेआई ने वकीलों को लगाई फटकार

दिन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रधान न्यायाधीश ने वकीलों द्वारा नये मामलों में स्थगन की मांग का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों के अंदर 3,688 मामलों में स्थगन पर्ची दाखिल की गई हैं। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को वकीलों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को तारीख पे तारीख अदालत बनने नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने बार से अपील की है कि मामलों को बहुत जरूरत पर पड़ने पर ही स्थगित किया जाए।साढ़े तीन हजार से अधिक मामलों में स्थगन पर्ची दाखिल की गईं दिन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रधान न्यायाधीश ने वकीलों द्वारा नये मामलों में स्थगन की मांग का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों के अंदर 3,688 मामलों में स्थगन पर्ची दाखिल की गई हैं। जब तक बहुत जरूरी न हो, कृपया स्थगन पर्ची दाखिल न करें। हम नहीं चाहते...- न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और प्रधान न्यायाधीश वाली पीठ ने कहा, हम नहीं चाहते कि यह अदालत तारीख-पे-तारीख अदालत बने।' गौरतलब है, बॉलीवुड फिल्म दामिनी में सनी देओल का मशहूर डायलॉग %तारीख-पे-तारीख था, जिसमें अभिनेता ने अदालतों में लंबित होते मामलों पर अफसोस जताया था।प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि नये मामलों को अब सूचीबद्ध करने में समय नहीं लगता है, लेकिन जब वह सुनवाई के लिए आते हैं तो वकील लंबित करने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया बाहरी दुनिया को बहुत बुरा उदाहरण देती है। मैं स्थगन पर्चियों पर नजर रख रहा- मुख्य न्यायाधीश ने कहा, %बार के सदस्यों से मेरा एक अनुरोध है कि आज के लिए 178 स्थगन पर्चियां आई हैं और मैं स्थगन पर्चियों पर नजर रख रहा हूं और मुझे कुछ आंकड़े मिले हैं। बार के सदस्यों द्वारा सितंबर से अक्तूबर तक औसतन प्रतिदिन 150 स्थगन पत्र दिए गए। .मुख्य न्यायाधीश ने कहा, इन दो महीनों के दौरान 3688 स्थगन पर्चियां मांगी गई हैं। मेरा मानना है कि यह मामले को दाखिल करने से लेकर लिस्टिंग तक की प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य को विफल कर देगा।'

कूटनीति को पुनर्जीवित करने के लिए नए दृष्टिकोण की जरूरत, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कही बात

चाणक्य रक्षा संवाद 2023 कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिरकत की। संबोधन के दौरान उन्होंने कहा, युद्ध के लिए तैयार रहना शांति का मार्ग है। एक राष्ट्र की ताकत सबसे प्रभावशाली रक्षा और निवारक है। चाणक्य रक्षा संवाद 2023 कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिरकत की। शुक्रवार को कार्यक्रम में उन्होंने कहा, कूटनीति को पुनर्जीवित करने के लिए नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बहुआयामी दृष्टिकोण, विचार, वकालत, आउटरीच, अनुनय और संवाद के संयोजन के साथ-साथ सतर्क और तैयार रहते हुए शांति प्राप्त करने और बनाए रखने के सर्वोपरि महत्व को रेखांकित किया।संबोधन के दौरान उन्होंने कहा, युद्ध के लिए तैयार रहना शांति का मार्ग है। एक राष्ट्र की ताकत सबसे प्रभावशाली रक्षा और निवारक है। धनखड़ ने सुरक्षा माहौल को बढ़ाने में अभिन्न घटकों के रूप में देश की सॉफ्ट पावर और आर्थिक ताकत का उपयोग करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, एआई, रोबोटिक्स, क्वांटम, सेमी-कंडक्टर, बायो-टेक, ड्रोन और हाइपरसोनिक्स जैसी गहरी प्रौद्योगिकियों के उद्भव ने युद्ध के चरित्र को फिर से लिखा है। इन क्षेत्रों की कुशलता और भविष्य की रणनीतिक समृद्धि और असफलता का निर्धारण करेगी। यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे युद्धों का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने चिंता व्यक्त की कि वैश्वीकरण और आर्थिक परस्पर निर्भरता के बावजूद संघर्ष जारी है। राष्ट्रीय सुरक्षा आज असंख्य विशेषताओं और क्षमताओं का एक समूह है। सेना इसका सिर्फ एक हिस्सा है, उन्होंने ऐसे संकल्प खोजने के लिए एक मजबूत शक्ति गतिशील बनाने के लिए विभिन्न टुकड़ों को एक साथ आने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो वर्तमान परिवेश में सटीक हो सके।

सामूहिक दुष्कर्म में ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्र दोषी करार, बेटा व नाती दोषमुक्त

भदोही में ज्ञानपुर से पूर्व विधायक विजय मिश्र को एमपीएमएलए कोर्ट ने सामूहिक दुष्कर्म के मुकदमे में दोषी करार दिया है। सजा के मामले में शनिवार को फैसला सुनाया जाएगा। उसी मुकदमें में पूर्व विधायक के बेटे विष्णु मिश्र और नाती ज्योति उर्फ विकास मिश्रा साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त हो गए। फैसले को लेकर न्यायालय में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।सामूहिक दुष्कर्म के मुकदमें में एमपीएमएलए कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व विधायक विजय मिश्र पर दोषसिद्ध कर दिया। सजा के मामले में शनिवार को फैसला सुनाया जाएगा। उसी मुकदमें में पूर्व विधायक के बेटे विष्णु मिश्रा और नाती ज्योति उर्फ विकास मिश्रा साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त हो गए। फैसले को लेकर न्यायालय में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। डाग स्क्वायड, क्राइम ब्रांच संग थाने की पुलिस तैनात रही। रिश्तेदार की संपति हड़पने के मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्र समेत कुनबे के छह सदस्यों पर जुलाई 2020 में मुकदमा दर्ज किया गया था। उसके बाद मध्य प्रदेश के आगर से उन्हें गिरफ्तार किया। पूर्व विधायक की गिरफ्तारी के बाद वाराणसी की एक गायिका ने पूर्व विधायक, बेटे विष्णु मिश्रा, नाती विकास मिश्रा के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया। जिसमें करीब तीन साल से कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। एक सप्ताह पूर्व सुनवाई पूर्ण होने पर तीन नवंबर को सजा के फैसले की सुनवाई की तिथि तय की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती संग सीओ, ज्ञानपुर थाने की पुलिस, क्राइम ब्रांच की टीम अलर्ट मोड में रही।

संपादकीय Editorial

Phone burglary

Multinational company Apple sent an alert to some opposition leaders that your iPhones can be hacked. Attackers can also try to access your phone's sensitive data, cameras and microphones etc. Apple has sent this alert not only to opposition leaders but also to people who are not in public life. This alert has also reached some journalists and scholars. This alert has also been sent to 150 countries where Apple iPhones are used. It is clear that this warning is global, hence the shouting of the opposition leaders is just politics. Apple has also clarified in its statement that such alerts come on the basis of intelligence signals, which may prove to be incomplete and even wrong. The company has talked about government-sponsored attackers, but has not disclosed any 'specific government'. Apple has denied that the system deals with such hacking threats. The company cannot even tell under what circumstances the alert had to be given, because by giving this information hackers can find ways to avoid it. That means it is clear that phone hackers could be from China, Pakistan or any other country! Apple has sent this warning message to opposition leaders and 150 countries at the same time, hence it seems suspicious and questionable. If hacking has taken place or is being done, it must have been done at different places and at different times. Still, we can accept that the Modi government has hacked the phones of some opposition leaders and spokespersons, but what could be the government's concern in hacking the phones of 150 countries and non-political faces?

What will be gained from them? More than 2 crore people use iPhone in India and there are about 146 crore users worldwide. Are all of them the target of Modi government or was an alert sent to everyone? Apple should give various clarifications in this regard. However, as per the announcement of Union Information Technology Minister Ashwini Vaishnav, investigation has been started. Apple will also be under investigation. Apple has been asked to provide factual and accurate information on alleged 'state-sponsored attacks'. The Indian Computer Emergency Response Team (CERT-IN) will investigate and try to get to the bottom. The minister has termed it a conspiracy to defame the Government of India and the politics of opposition to divert attention. 'Phone theft' is not a new issue. There is no attack on anyone's privacy and confidentiality. The discussion about spying software purchased from Israel is once again becoming vocal. However, nothing concrete came to light in the investigation which was conducted under the supervision of the Supreme Court. Then the apex court had also given the option to deposit their respective phones with the government, so that an internal investigation could be done whether they were spied on or not. Then Congress leader Rahul Gandhi also did not submit his phone. Today again old, immature statements are being repeated. The question is, what could be the role of Adani in the context of phone hacking? Whom has Rahul Gandhi called 'parrot'? Did Adani not do business during the tenure of Congress governments? Were they not given contracts? The country should ask such questions to the Congress leader. In fact, among those whose phones have been accused of burglary, most of the faces are politically irrelevant or have been accused. What will Modi government gain by hacking their phones? He is also not in a position to give a political challenge to the BJP. If there was anything concrete in Apple's warning message, the opposition should have filed an FIR instead of a press briefing. However, Uddhav faction's Shiv Sena MP Priyanka Chaturvedi, CPM general secretary Sitaram Yechury and Congress leader Shashi Tharoor have raised this issue.

India: Towards the third largest economy, conditions are favorable for strong economic growth

Healthy balance sheets of banks and corporates, supply chain normalization, business optimism, strong consumer sentiment and strong government capital expenditure are conducive to strong economic growth in India. On the strength of all this, India is rapidly moving towards becoming the third economy. India has witnessed tremendous progress in many areas, including digitization, formalization of the economy, better policy environment to attract investment in manufacturing and a huge increase in spending on infrastructure. Due to continuity of policies the basis for positive development of India has been laid. India remains the world's fastest growing economy with a growth of 7.8 percent in the first quarter of FY-24. This growth is supported by strong consumption, ongoing investment in infrastructure and real estate sectors, sustained growth in service exports, a thriving services sector, positive consumer and business growth. The latest estimates of the Reserve Bank have estimated real GDP growth for India at 6.5 percent in FY 2024 and 6.2 percent in FY 2025. Several policy reforms and supports, the government's focus on huge capital expenditure, strong corporate and bank balance-sheets (including NPAs which have been contained) have laid a strong foundation for sustained economic growth for a long time to come. Have done. India, which was the tenth largest economy in terms of global GDP in 2014, has now become the fifth largest economy. There has also been an improvement in terms of per capita income and it has now come down to 127th position from 147th position in 2014. During this period, historic reforms like GST, IBC, Jan Dhan, Aadhaar, UPI and PLI schemes have taken place. Inflation has also been significantly controlled. This is due to low increase in MSP, fortunately reduction in crude oil/commodity prices and prudential measures during Covid. Additionally, business sentiment has improved with a sharp jump in the Ease of Doing Business index. And now India is moving rapidly towards its goal of becoming the third largest economy. There has been unprecedented growth in infrastructure development. India has massively increased its investment in public infrastructure. Highways have grown by nearly 60 per cent in the last nine years and investment in railway infrastructure has increased more than four times. The capacity of ports has increased by 83 percent. The length of the metro line has increased three and a half times, due to which more cities have been connected to the metro rail line. Under the UDAN scheme, work has been done to operate 73 new airports. There has also been huge success on the front of financial inclusion and digitalization. Thanks to 50 crore Jan Dhan accounts opened since 2014, more than 80 percent of the people will have bank accounts in the year 2023. Direct benefit transfer was Rs 7,400 crore in 2014, which has increased to Rs 7 lakh crore in FY 2023. The government has eliminated delays and middlemen by effectively using Jan Dhan-Aadhaar-Mobile-PAN to deliver subsidies. Unified Payment Interface (UPI) has also made tremendous progress. Growth in automobile sales, rising electricity demand, e-way bill volumes, growth in passenger traffic, higher growth in bank credit flows to the domestic sector and improvement in rural demand growth indicate rising consumption. The infrastructure and real estate sectors are flourishing, which is reflected in the increase in industrial production index, consumption of cement, steel and government spending on infrastructure. Gross fixed capital formation as a percentage of GDP has also increased. However, lower growth of the manufacturing sector compared to the overall economy, contraction in exports and imports of goods, and lower levels of FDI, venture capital (VC) and private equity (PE) funds into the economy, as well as crude oil and bulk electricity prices. The rise in prices raises some concerns. GST collections have so far outpaced GDP growth. Direct tax collections in the first half of the current financial year indicate strong corporate performance. Services sector growth reached a 13-year high in September on the back of a strong increase in new business amid strong demand conditions, and the number of jobs continued to rise as the overall business environment improved. The latest Purchasing Managers' Index (PMI) results brought positive news for India's services sector, with September seeing the biggest growth in business activity and new work sector entries in 13 years. The latest data showed a substantial increase in new business from Indian service providers, the second fastest growth since June 2010. In addition to the increase in overall sales, companies have seen increased demand from customers overseas, particularly in Asia, Europe, and North America. As the festive season begins, consumption is expected to increase strongly. Domestic passenger vehicle sales and GST collection figures indicate a healthy economic scenario. After facing immense challenges during the pandemic, India's real estate sector has recorded strong growth with a huge uptick in demand. The general economic outlook with employment, income and expenditure prospects improving further over the next one year Expected to sleep. The future expectations index (FEI) is also at a four-year high in the latest survey round. Indian households remain highly optimistic about future earnings. They are less pessimistic about current price levels and inflation than they were a year ago. Overall, healthy balance sheets of banks and corporates, supply chain normalization, business optimism, strong consumer sentiment and strong government capital expenditure are conducive to strong economic growth in India.

Agriculture: Natural farming has changed lives, also helpful in improving the climate.

Natural farming not only improves soil, water and environment but also strengthens livelihoods and reduces greenhouse gas emissions. Today, in many western countries, farmers with hundreds of acres of agricultural land are said to be in crisis. Even in India, farmers are in serious trouble, but here the ray of hope is that on the basis of meaningful efforts, even farmers with small landholdings of two to four acres are achieving satisfactory livelihood. One such effort can be seen in Terai village of Lalitpur district, Talbehat block (Uttar Pradesh). Here the family of Bhuniya Devi and Pajan Lal Kushwaha have only two and a quarter acres of land, on most of which their entire family is doing natural farming. They will soon do natural farming on the remaining land also. In this way, they have saved the expenditure on chemical fertilizers and pesticides etc. By using cow dung manure and cow urine, organic pesticides etc. he has ensured that the production is better than before. Along with maize, they do mixed farming of brinjal, yam, ginger, cucumber, fruits etc. In the remaining 300 square meter area of the farm, they are producing vegetables and some fruits in a multi-tier system. By planting bamboo, wires, fencing etc., crops like ridge gourd, cucumber, gourd etc. are grown on the top, and on the ground surface, crops like tomato, chilli, coriander etc. are grown and on the third level, crops growing under the ground like radish, carrot, onion, turmeric are grown. , cultivate ginger, taro, yam etc. Around this, he has also planted lemon, guava, mango, papaya and jackfruit trees on the ridge. In this way, while on one hand they have strengthened the nutrition system of their household, on the other hand they have also ensured cash income. Fruits and vegetables produced through natural farming have good demand in the market and get fair prices. By doing animal husbandry along with farming, they get an annual income of about one and a half to two lakh rupees along with better nutrition of the family. Seeing the success of Pajan Lal, his three brothers have also started natural farming. A part of younger brother Jagdish's farm was infertile, where the soil yielded little to no crops. But when this land was nourished by mixing some gram flour, jaggery etc. in the manure of cow dung and cow urine, then green crops started growing on it too. Komal Prasad Aharwar also has less land, but he also tried to improve the land in the same way. Nutrition and income have increased through the use and production of diverse crops. Apart from this, he also earns from goat rearing. His wife Sheela runs the Natural Farming Centre. Many farmers of Terai village say that after adopting natural farming, earthworms have started appearing in large numbers in the fields, which keep the soil moist and make it friable. Similarly, other creatures that are friends of farmers are also increasing. Here, Srijan and Card institutions made an important contribution in increasing natural farming under the Biwal Project. The first 10 leading farmers adopted natural farming completely or partially. When other farmers saw that natural farming was producing good production at low cost, they also started adopting it in large numbers. In villages like Terai, the irrigation situation is good, but in villages where irrigation situation is weak, these institutions provided favorable conditions for adopting natural farming through water-conservation measures. Water conservation was increased by making pits in the natural drains using the 'Doha' method and this also increased the water level in the wells. By removing soil from the ponds, their water conservation capacity was increased, while by applying the removed soil and silt in the fields, the fertility of the fields increased. A part of younger brother Jagdish's farm was infertile, where the soil yielded little to no crops. But when this land was nourished by mixing some gram flour, jaggery etc. in the manure of cow dung and cow urine, then green crops started growing on it too. Komal Prasad Aharwar also has less land, but he also tried to improve the land in the same way. Nutrition and income have increased through the use and production of diverse crops. Apart from this, he also earns from goat rearing. His wife Sheela runs the Natural Farming Centre. Many farmers of Terai village say that after adopting natural farming, earthworms have started appearing in large numbers in the fields, which keep the soil moist and make it friable. Similarly, other creatures that are friends of farmers are also increasing. Here, Srijan and Card institutions made an important contribution in increasing natural farming under the Biwal Project. The first 10 leading farmers adopted natural farming completely or partially. When other farmers saw that natural farming was producing good production at low cost, they also started adopting it in large numbers. In villages like Terai, the irrigation situation is good, but in villages where irrigation situation is weak, these institutions provided favorable conditions for adopting natural farming through water-conservation measures. Water conservation was increased by making pits in thIf small farmers of our country are achieving prosperity by better utilization of their small land holdings, then it is very promising news. By adopting natural farming, soil, water and environment are not only improving, livelihoods are also being strengthened. This is a sustainable improvement that not only reduces greenhouse gas emissions, but also increases farmers' ability to withstand adverse weather conditions in the face of climate change.

डेंगू ज्वर के बढ़ते प्रकोप से होती मौते और मरीज़ों के इलाज के संबंध में दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच
मौ.युसूफ

मुरादाबाद- विगत 3 माह से लगातार उत्तर प्रदेश में डेंगू ज्वर के कारण कई मौते हो चुकी है। आये दिन अखबारों में जनता की समस्याओं के हुई मौतें के आंकड़े आया करते है। उत्तर प्रदेश-बिहार सहित दक्षिण भारत के कई राज्यों में इन दिनों डेंगू के कारण हालात बिगड़ने की खबर है। कई राज्यों में रोजाना डेंगू के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। हालिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि उत्तर से लेकर दक्षिण भारत के कई राज्य इन दिनों संक्रमण की गंभीर स्थिति की चपेट में हैं। उत्तर प्रदेश में डेंगू के मामलों की संख्या 1700 के आंकड़े को पार कर गई है। पिछले 24 घंटे में अकेले लखनऊ से ही 37 के करीब मामले सामने आए हैं।इन सब परिस्तिथियों के बावजूद ब्लॉक व तहसील स्तर के सरकारी अस्पतालों में प्लेटलेट नही दी जा रही है। कई जनपदों के स्तर पर डेली फोगिंग की व्यवस्था होनी चाहिए वो नही है।सबसे महत्पूर्ण जांच छ्क्ष्ट है जिसमे प्लेटलेट काउंट के बारे में पता चलता है उसकी व्यवस्था सारे जनपदों में तहसील स्तर तक के अस्पतालों में होनी चाहिए जो नही है। जबकि लैब टेक्नीशियन हर अस्पताल में है। सरकारी अस्पतालों में लैब में छ्क्ष्ट काउंट के लिए रेजिन की व्यवस्था जल्द से जल्द कराई जाए।मात्र अलग से कुछ बेड को डेंगू के नाम से आरक्षित कर लिया जाता है जबकि डेंगू ज्वर से पीड़ित लोगों की संख्या कही अधिक है। पूरे वार्ड आरक्षित होने चाहिए। प्लेटलेट की trombosis को रोकने के लिए अधिक मात्रा में हृस और ष्ठहृस की व्यवस्था सुचारू रूप से करे। 1 यूनिट ब्लड डोनेशन के उपरांत मात्र 1 यूनिट प्लेटलेट ही उपलब्ध कराई जाती ह

जबकि सेपरेशन मशीन से 3 यूनिट तक प्लेटलेट मिल जाती है। ये गड़बड़ ब्लड बैंक की तरफ से कराई जा रही है। एक साधारण नर्सिंग होम में मरीज़ों के लिए 20000 तक होने वाला खर्च संभव नही है। कृपया नर्सिंग होम स्तर पर सरकार इसको कम से कम खर्च पर लाये। डेंगू के साथ साथ बढ़ता टाइफाइड फीवर गंदे पानी के सेवन के कारण हो रहा है। साफ क्लोरीनीकरण पानी की आवश्यता की पूर्ति की जाएं। इन्ही मांगो के साथ मान्यवर समाजवादी छात्रसभा की राष्ट्रीय कार्यकारणी आपके सम्मुख ये ज्ञापन प्रस्तुत करती है। ज्ञापन के बाद सीएमओ मुरादाबाद ने कहा कि की जो भी खामियां हैं उन्हें दूर किया जाएगा ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से सपा छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव वसीम अकरम सपा मजदूर सभा के जिला अध्यक्ष शाकिर अली राइनी सपा महानगर कमेटी में उपाध्यक्ष फहीम मंसूरी, छात्र नेता फाजिल मलिक, छात्र नेता विवेक चौहान, छात्र नेता अरबाज खान, सपा महानगर कमेटी में सचिव शकील अंसारी, छात्र नेता मौ अदनान, राशिद अली सिद्दीकी, आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे

बहेड़ी ब्रह्मनान में किया गया ग्राम चौपाल का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
मौ.युसूफ

मुरादाबाद- बीडीओ डिलारी राजेश अग्रवाल ने की जन कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा। मुरादाबाद जनपद के विकास खण्ड डिलारी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बहेड़ी ब्रह्मनान स्थित पंचायत भवन में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया । चौपाल में खण्ड विकास अधिकारी राजेश अग्रवाल द्वारा प्रतिभागी क्षेत्रवासियों को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की जन कल्याणकारी योजनाओं यथा आयुष्मान कार्ड, उज्जवला गैस कनेक्शन, वृद्धा पेंशन, 60 वर्ष से कम आयु पर विधवा पेंशन, दिव्यांगजन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई। तथा ग्राम पंचायत अधिकारी को प्रत्येक पात्र व्यक्ति को लाभान्वित कराने के निर्देश दिये। प्रधान अल्पना पंकज भारद्वाज, सहकारी समिति सभापति पं.राधेश्याम शर्मा,बहुउदेश्य सहकारी समिति सचिव, ग्राम पंचायत अधिकारी जकी अनवर,बाबूराम रुहेला, रविन्द्र रुहेला, ओमप्रकाश रुहेला, खेमपाल सैनी, रिजवान पधान , पंचायत सहायक बबिता रुहेला, ओमपाल सिंह, राजवीर प्रजापति,डोरी सिंह, मुसर्रत अंसारी, बालकिशन,भोलू सिंह, मनोज रुहेला, आदेश सैनी, मुशाहिद सैफी, आनन्द शर्मा आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे । संचालन सचिव जकी अनवर द्वारा किया गया। पूर्व ग्राम प्रधान पं. राधेश्याम शर्मा द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य व्यक्तियो का आभार व्यक्त किया गया।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

टाटा मैजिक ने बाइक सवारों को रौंदा, एक की मौत...दो महिलाएं घायल

मुरादाबाद-बिलारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को बाइक पर बहन व एक अन्य महिला को बैठकर दवा लेने जा रहे युवक को टाटा मैजिक टक्कर मार दी। घटना में बाइक चालक की मौत हो गई जबकि, उसकी बहन व महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने युवक को देखते ही मृत घोषित कर दिया और दोनों घायल महिलाओं को जिला अस्पताल रेफर किया है।

बताया जा रहा है कि नकर थाना महिला केयर निवासी 18 वर्षीय साकेत पुत्र कासिम सुबह अपनी बहन सीमा और पड़ोस में अर्शी पत्नी ममनून हुसैन को

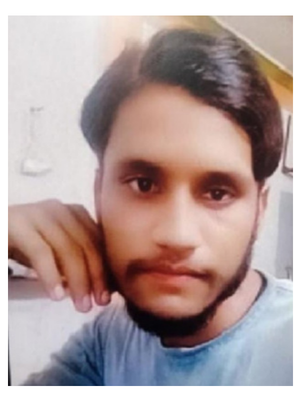

बाइक से दवा लेने के लिए बिलारी जा रहा था। वह हाथीपुर बहाउद्दीन मोड़ पर पहुंचा ही था कि सामने से आ रही टाटा मैजिक ने टक्कर मार दी। बाइक भी रफ्तार में थी, इसलिए हादसे में बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरे और इन्हें काफी चोटे आई हैं। घटना की सूचना पाकर मौके पर घर वाले भी पहुंचे थे। परिवारजन ने बताया कि शाकिर ट्रक चलाने का काम करता था। शाकिर दो भाइयों में छोटा था। 7 वर्ष पूर्व इसके पिता की भी मौत हो गई थी। परिवार में मां नसरीन सहित अन्य सभी लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है। उधर पुलिस ने शाकिर के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पीड़ित परिवार का आरोप हत्या के दो आरोपियों की पुलिस नहीं कर रही गिरफ्तारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच
मौ.युसूफ

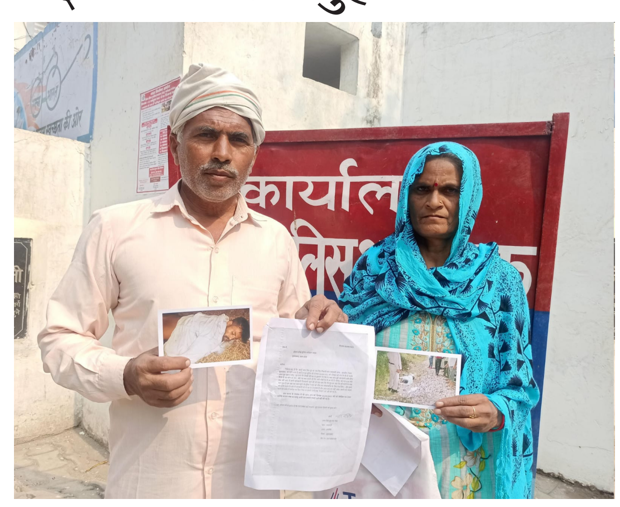

मुरादाबाद- मुरादाबाद छजलैट थाना क्षेत्र का रहने वाला एक पीड़ित परिवार ने अपने बेटे की हत्या करने का आरोप लगाते हुए गांव के ही युवकों पर कार्रवाई की मांग कर रहा है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि उन्होंने इस संबंध में थाने में शिकायत भी की मगर अभी तक पुलिस ने इस मामले में आरोपियों की कोई भी गिरफ्तारी नहीं की है, हार मानकर पीड़ित परिवार ने अब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रार्थना पत्र देते हुए इंसाफ की गुहार लगाई है। दरअसल छजलैट थाना क्षेत्र के गांव लदावली के रहने वाले चरन सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा उसके बेटे सुमित को दिनांक 30 अगस्त 2023 की दोपहर को गांव के ही दो लड़के अमन पुत्र मुन्ना व सोनू पुत्र राजेश घर से बुलाकर ले गए थे। जब शाम हुई तब हमने उन्हें फोन किया तो वह फ़ोन पर बार- बार यह बात कहते रहे कि अभी थोड़ी देर में आ रहे हैं। परन्तु वह रात 8:00 बजे तक नहीं आए तो हमने जानकारी निकालनी शुरू की तो पता चला कि पुत्र सुमित का शव रेल की पटरी के पास पड़ा हुआ है हम जब तक वहां पहुंचे तो पुलिस ने शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। और हमने उन दोनों लड़के के बारे में जानकारी ली तो वह घर से फरार हैं और आज तक घर नहीं आए। हमने थाने जाकर घटना के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया जिस पर हमारी अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। पीड़ित परिवार इस मामले में न्याय की गुहार लगा रहा है।

डेंगू चिकनगुनिया को महामारी घोषित कर मुफ्त इलाज की सुविधा दे सरकार, शिवसैनिकों ने डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन

मुरादाबाद- मुरादाबाद सहित प्रदेश के अन्य जिलों में डेंगू, चिकनगुनिया बीमारी से संक्रमित मरीजों की बढ़ती संख्या महामारी का रुप ले चुकी है। अस्पतालों में इनके मरीज भरे पड़े हैं। इसको देखते हुए डेंगू, चिकनगुनिया को महामारी घोषित करने की मांग को लेकर शिवसैनिकों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर शुक्रवार को प्रदर्शन किया। ज्ञापन देकर सरकार से इस बीमारी को महामारी घोषित कर सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा दिलाने की मांग की। शिवसेना के मंडल प्रमुख डा. रामेश्वर दयाल तुरैहा के नेतृत्व में शिव सैनिकों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन के अधिकारी को दिया। ज्ञापन में डेंगू, चिकनगुनिया व अन्य अज्ञात बीमारी की जांच कर महामारी घोषित करने व फ्री इलाज करने तथा इस बीमारी के मृतकों आश्रितों को मुआवजा देने की मांग की ! जिला प्रमुख गुड्डू सैनी ने कहा डेंगू/चिकनगुनिया व अन्य अज्ञात बीमारी से कोरोना काल से भी ज्यादा मौतें हो रहीं हैं। श्मशान घाटों पर दाह संस्कार करने को इंतजार करना पड़ रहा है। सरकार इस महामारी रोकने को कारगार उपाय करें। मरीजों का सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में मुफ्त इलाज कराए। इस दौरान महानगर प्रमुख मनोज ठाकुर, युवा जिला प्रमुख अंकित ठाकुर, जिलाध्यक्ष भवानी सेना ठाकुर मंजू राठौर, विजय सेठ,अजय सैनी, कपिल ठाकुर,ओमप्रकाश सैनी, बाबा कुशल सिंह, राजा,नेमवती देवी, हर्ष राजपूत सहित अन्य शिवसैनिक मौजूद रहे।

चोरी का ई रिक्शा दलपतपुर में बेचने पहुंचा आरोपी, कबाड़ी ने पुलिस से पकड़वाया

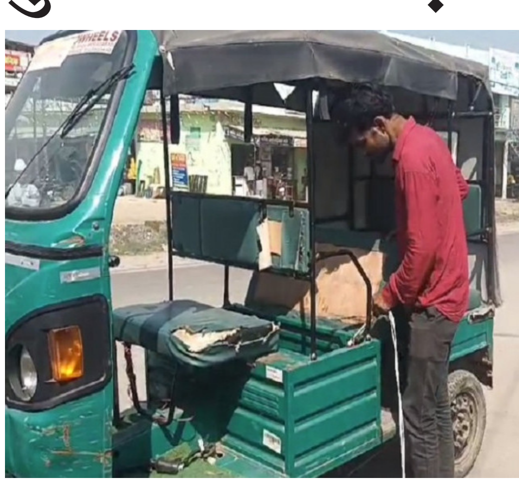

मुरादाबाद- दिल्ली लखनऊ नेशनल हाईवे पर मूंढापांडे थाना क्षेत्र के दलपतपुर चौराहे पर चोरी का ई रिक्शा बेचने पहुंचे आरोपी को कबाड़ी ने पुलिस को फोन कर पकड़वा दिया। पकड़े गए आरोपों के मुताबिक, वह जामा मस्जिद के पास से ई रिक्शा को चोरी किया था। शुक्रवार दोपहर में वह दलपतपुर चौराहे पर ई रिक्शा को ले जाकर पहले उसमें बैटरी निकाली एल, जिसे बेचने को वह कबाड़ी के पास गया था। बैटरी की कीमत के मुताबिक काफी कम पैसे पर बेचने को तैयार आरोपी को कबाड़ी भांप गया और उसने दलपतपुर पुलिस चौकी इंचार्ज को फोन कर मामले की खबर दी। कुछ देर बाद पुलिस आई और उसे हिरासत में लेकर चली गई। बातचीत में आरोपी ने बताया कि वह पहली बार शुक्रवार रात को ई रिक्शा चोरी किया था। उसे परिवार में दवा के लिए पैसों की जरूरत थी। उधर, मूंढापांडे थानाध्यक्ष दीपक मलिक ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है। चोरी वाला ई रिक्शा भी बरामद किया गया है, आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ, ज़िले भर से जुटे शिक्षक

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार गुप्ता

बरेली।31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को बिशपमण्डल इण्टर कॉलेज के सभागार में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक देवकी सिंह विशिष्ट अतिथि डाइट प्राचार्य मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर किया । स्कूली छात्रों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की सफलता की कामना की।इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक श्री सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक सोच जागृत करने पर हम सबको बल देना चाहिए। कार्यशाला के आयोजन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा आगे भी इस प्रकार के आयोजन करने से आपसी तालमेल भी बढ़ता है। प्राचार्य श्री कुमार ने इकोसिस्टम संरक्षण को विस्तार पूर्वक समझाया। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के मुख्य विषय卐स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए परितंत्र को समझना 卐विषय को एकेडमिक समन्वयक उपेन्द्र सिरोही ने विस्तार पूर्वक स्पष्ट किया प्रोजेक्ट निर्माण की जटिलताओं को बताया। जिला विज्ञान समन्वयक देवेन्द्र कुमार के निर्देशन में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें जिले भर के 70कालेजों ने हिस्सा लिया।इस मौके पर विष्णु इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य शरद कुमार शर्मा ने पराली जलाने के दुष्परिणामों तथा जल संरक्षण विषय पर विशेष विचार व्यक्त किए।आई वी आर आई के वैज्ञानिक डीसी शुक्ला ने अपने परितंत्र को कैसे सुरक्षित रखें,विषय पर विचार रखे। डाक्टर नमिता त्रिपाठी, हेमपाल गंगवार,ने भी अपने सम्बोधन में विज्ञान के नये-नये प्रयोग छात्र-छात्राओं से कराने पर बल दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन जगमोहन सिंह प्रधानाचार्य विशपमण्डल इण्टर कॉलेज ने किया।

त्योथर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का आगमन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

त्योंथर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का हुआ आगमन उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा जी का भी आगमन हुआ राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सिद्धार्थ तिवारी जी को भारी मतों से विजई बनाने की अपील की जिसका सभा स्थल में भारी संख्या में उपस्थित लोगों ने समर्थन किया त्योंथर की आन है त्योंथर की सान है सिद्धार्थ तिवारी और जनता की जान हैं सिद्धार्थ त्योंथर विधानसभा क्षेत्र के जनता की जान सिद्धार्थ तिवारी राज, के समर्थन में लगी जनता की भीड देख भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के उड़े होश जनता ने लगाई आवाज सिद्धार्थ को विधानसभा तक पहुंचाना है हम सब ने यह ठाना है गरीबों के मसीहा का सिद्धार्थ का होगा बेंडा पार ये है जनता की पुकार भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मध्यप्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव में प्रचार करने त्योंथर पहुंचे सबकी नजर में है त्योथर विधानसभा की जीत जे पी नड्डा ने जनता से की अपील सिद्धार्थ के जीत के लिए जनता से किए निवेदन सब की नजर में है विंध्य क्षेत्र की चिंता त्योंथर विधानसभा क्षेत्र की कहानी निराली है भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुंचे सिद्धार्थ तिवारी के प्रचार में

त्योथर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में त्रिकोणीय मुकाबला होने के बन रहे आसार भाजपा मे भितरघात की सम्भावना

क्यूँ न लिखूँ सच -आलोक मिश्रा

त्योथर रीवा जिले में तो मौजूदा समय में छः विधानसभा सीटे आती है जिसमें त्योथर विधानसभा की सबसे हाट सीट मे सुमार त्योथर विधानसभा सीट शुरू से ही मानी जा रही है टिकट वितरण से लेकर उम्मीदवार की घोषणा तक सभी की पार्टियों की निगाहें त्योथर विधानसभा पर ही टिकी रही वैसे तो मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव की हर सीट पर सीधा मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के ही इर्द गिर्द दिखाई पड रहा है कहीं कहीं कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले में बहुजन समाज पार्टी भी मुकाबले में दिख रही है चुनाव मैदान तो आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी भी अपने उम्मीदवार मैदान में उतारा है जो केवल बोटकटवा ही दिखाई पड रहे हैं त्योथर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा बसपा के बीच में ही दिखाई पड रहा है भाजपा ने कांग्रेस से बगावत कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए सिद्धार्थ तिवारी राज को अपना उम्मीदवार बनाया है जिससे पार्टी अन्दरूनी कलह से भी जूझ रही है वैसे तो चुनाव प्रचार में भारतीय जनता पार्टी के नेता सिद्धार्थ तिवारी राज के साथ चुनाव प्रचार में देखे जा रहे हैं लेकिन उत्साह कम मायूसी ज्यादा दिखाई पड रहा है जिससे भाजपा उम्मीदवार को अन्तरकलह और भितर घातक का भी सामना करना पड़ सकता है वही कांग्रेस पार्टी ने अपने पुराने उम्मीदवार पर एक बार पुनः भरोसा जताया है जिन्हें दो बार इसी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी द्वारा शिकस्त झेलनी पडी थी और कभी सिद्धार्थ तिवारी राज भी इसी पार्टी का हिस्सा हुआ करते थे जो आज भाजपा का दामन थाम कर भाजपा उम्मीदवार के रूप में रमाशंकर सिंह पटेल से दो दो हाथ करने मैदान में उतर चुके हैं यह दोनों उम्मीदवार कांग्रेस मे रहते हुए विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार से गत चुनाव में शिकस्त भी खा चुके हैं वहीं भाजपा के कद्दावर नेता के रूप में जाने वाले दादा देवेन्द्र सिंह भी जो भाजपा की नीतियों का बखान करते नहीं थकते थे भाजपा से बगावत कर बहुजन समाज पार्टी का दामन थाम कर चुनाव मैदान में उतर चुके हैं जिससे त्योथर विधानसभा चुनाव तिकोणीय बन गया है तीनों पार्टियों के उम्मीदवार चुनाव प्रचार में में अपना पूरा दमखम के साथ मैदान में हैं कांग्रेस और भाजपा के उम्मीदवार अपनी पार्टियों से बगावत कर नये दल से चुनाव मैदान में हैं जिन्हें कभी उन पार्टियों का एजेन्डा समझ से परे रहा और आज उसी का गुणगान जनता के बीच कर रहे हैं आम आदमी पार्टी ने अपने पुराने उम्मीदवार पर भरोसा न करके नये उम्मीदवार के रूप में महर्षि पटेल पर अपना भरोसा जताया है जो केजरीवाल की नीतियों को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं वही समाजवादी पार्टी ने अपने पुराने उम्मीदवार त्रिनेत्र शुक्ला पर पुनः भरोसा जताया है जो समाजवाद का झन्डा जनता के बीच में है त्योथर क्षेत्र। की जनता किसे अपना समर्थन देगी अभी जनता कसौटी कस रहीं हैं वैसे तो आप और सपा के पास खोने को कुछ नहीं है भाजपा और कांग्रेस अपनों के भितरघात से कैसे पार पाएंगे यह तो वक्त ही तय करेगा लेकिन बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार को भरोसा है कि दोनों दलों के नाराज़ मतदाताओं का लाभ मिल सकता है जिसका निर्णय तो त्योथर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की जनता ही तय करेगा मुकाबला दिलचस्प होगा और तिकोणीय होने की सम्भावना अभी दिखाई पड रहा है

गुनौर के विकास में कोई कमी नहीं छोडूंगा -शिवराज सिंह चौहान

क्यूँ न लिखूँ सच
घनश्याम प्रसाद शर्मा

पन्ना - मै अपने प्रदेश की बहनों को सशक्त और सक्षम बनाने के लिये जुटा हुआ हूँ इस प्रदेश की जनता मेरी भगवान है। प्रदेश की जनता को खुशहाल बनाने के लिये भारतीय जनता पार्टी ने सेवा भावना से काम किया है महिलाओं के खाते में सीधा पैसा जाने लगा तो कांग्रेस को बहुत तकलीफ हो रही है वह रूकवाने में लगे है परंतु मैं उनके मंसूबे पूरे नहीं होने दूंगा । हम प्रदेश में सरकार नहीं परिवार चलाते है । भांजे भांजियों, बेटा बेटियों, बुजुर्गों, माता बहनों का भैया हूं ,कांग्रेस के किसी मुख्यमंत्री ने आज तक एक पैसा नहीं दिया ,जिसके दिल में प्यार है वही चिंता करता है, बहनों को कभी पैसों की जरूरत पड़ जाए तो उन्हें हाथ फैलाना पड़ता था। उन्हें उनके भैया ने पैसा नहीं सम्मान देने का प्रयास किया है । इस आशय की बात प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुनौर विधानसभा के देवेंद्रनगर में भाजपा प्रत्याशी राजेश वर्मा के समर्थन आमसभा को संबोधित करते हुये कही । श्री चौहान ने कहा कि हमने इस प्रदेश की बहनों का भाई होने का फर्ज निभाया है ।

उन्हें 1000 रूपये प्रतिमाह देने की शाुरुआत की और 1250 रुपए अभी दे रहा हूं आगे इस राशि को बढ़ाकर 3000 करने के साथ ही प्रत्येक महिला को लखपति बनाने का कार्य तमाम योजनाओं के माध्यम से करूंगा अभी एक करोड़ 32 लाख महिलाओं को लाडली बहन का लाभ मिल रहा है जो महिलाएं शेष बची हैं उन्हें भी चुनाव के बाद इस योजना से जोड़ा जाएगा और लाभ दिया जाएगा हमने स्वास्थ्य, शिक्षा ,सड़क ,बिजली ,पानी के साथ गरीब किसानों की चिंता की और सबके सम्मान में कार्य करने का प्रयास किया है । मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गुनौर विधानसभा क्षेत्र से ऊर्जावान युवा प्रत्याशी भाजपा ने दिया है और इस क्षेत्र की सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, सहित जो भी विकास के काम है उन्हें पूरा कराने और हर समस्या के निराकरण के लिये राजेश वर्मा हमेशा सजग रहने वाले है और इस क्षेत्र से इन्हें भारी मतों से जिताएँ । इस क्षेत्र की सभी मांगो को पूरा किया जायेगा । श्री चौहान ने आदिवासी समाज के लिये चलाई अनेक योजनाओं को गिनाया और साथ ही पेसा एक्ट के माध्यम से उन्हें मिले अधिकारों का जिक्र भी किया । मुख्यमंत्री का हुआ भव्य स्वागत - चुनावी जनसभा को संबोधित करने के लिए पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रामबिहारी चौरसिया प्रत्याशी राजेश वर्मा विधानसभा प्रभारी , विधानसभा क्षेत्र के जिला पदाधिकारियों, मंडलों के अध्यक्षों ने मुख्यमंत्री जी का गर्मजोशी से स्वागत किया । भाजपा से प्रत्याशी श्री राजेश वर्मा ने कहा कि क्षेत्र के विकास में मै कोई कमी नहीं रहने दूंगा आप सभी मुझे आपना आर्शीवाद प्रदान करें और 17 नबंबर को भाजपा के पक्ष में मतदान करें।

विधान सभा चुनाव में होने वाले मतदान का जनता बहिष्कार के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी को लिखा पत्र

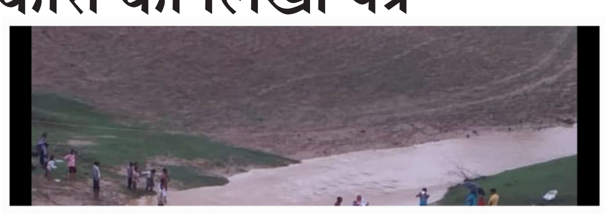

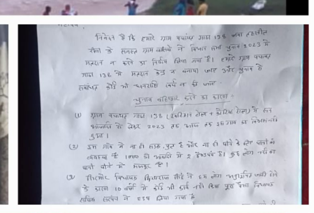

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

विधायक दिव्यराज सिंह के कार्यों की खुल रही है पोल पांच वर्ष में ऐसा किए कार्य कि जनता मतदान करने का ही करने लगी बहिष्कार क्या इस वार विधायक का होगा बेंडा पार निवेदन है कि हमारे ग्राम पंचायत गाढ़ा 138 जवा तहसील रीवा के समस्त ग्राम वासियों ने विधान सभा चुनाव 2023 में मतदान न करने का निर्णय लिया गया है। हमारे ग्राम पंचायत गाढ़ा 138 में मतदान केन्द्र न बनाया जाए और संबंधित कोई भी धनराशि खर्च न की जाए चुनाव चुनाव बहिष्कार करने का कारण ग्राम पंचायत गाढ़ा 138 (खटिशन टोला + कोटिया टोला) मे सन आजादी से लेकर 2023 तक आज तक इसी गांव का विकास नही हुआ। (3) इस गाँव मे ना ही सड़क, पुल है और ना ही पीने के लिए पानी की व्यवस्था है 1000 की आबादी में 2 हैण्डपंप है। कुछ लोग नदी का पानी पीने में मजबूर है।(3) सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह ने हम लोग अनुसूचित जाति होने डे कारण 10 वर्षो में कोई भी कार्य नहीं किया पूरा पैसा विधायक सचिव सरपंच ने हड़प लिया गया है 2023 में ग्राम पंचायत गाए में 2 करोड ड1 लाख 15 हजार रुपये की राशि सड़क-पुत्र के लिए मजूर हुआ था लेकिन विधायक, देकेदार PWD-SDO, मिड पूरा वा अत~ श्री मान जी मे निवेदन है कि जब तक लख पुल का निर्माण नहीं हो जाता है तब भी लोग मतदान नहीं करेंग धनेश सोनकर एवं ग्रामपंचात 138 जा

टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने किया बेहतर प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाई

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। पद्मावती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रहीं इंडिपेंडेंट स्कूल एसोसिएशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दिन विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। बालक वर्ग में अल्मा मातेर ने जीश आर श एमश दोहरा रोड को 4 - 1, 4 - 0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई अंडर 19 बालक वर्ग में अल्मा मातेर ने जीश आर श एमश नैनीताल रोड 4 - 0 , 4 - 3 से , जीश डीश गोयनका ने माधवराव सिंधिया को 4 - 0 , 4 - 1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई अंडर 19 फाइनल बालिका वर्ग में अल्मा मातेर ने सेंट जेवियर को हराकर विजय प्राप्त की। क्वार्टर फाइनल अंडर 12 बालक वर्ग में अल्मा मातेर के जश्न , राजवीर ,जीश आर श एमश दोहरा के रोशील , चिक्कर के आरिश और जीश डीश गोयनका स्कूल के भाविक ने सेमिफाइनल में जगह बनाई क्वार्टर फाइनल अंडर 14 बालक वर्ग में जीश आर श एमश दोहरा के अक्षय, एकलव्य जीश आर श एमश नैनीताल के कबीर ने सेमिफाइनल में जगह बनाई क्वार्टर फाइनल अंडर 18 बालक वर्ग में जीश डीश गोयनका के तनिष्क सोंधी , अल्मा मातेर के देव और देवांश ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।इस मौके पर चेयरमैन पारूष अरोड़ा ने खेल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को और ज्यादा मेहनत करने का आह्वान किया। तमाम स्कूलों से आए शिक्षकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। प्रधानाचार्या ममता सक्सेना ने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने को लेकर उनका मनोबल बढ़ाया।

चोरी हुए फोन की शिकायत दर्ज कराने पहुंचा थाने, पुलिस बोली कहीं गिर जाने की दो तहरीर, कप्तान के आदेश पर हुआ मुकदमा दर्ज़

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - मोबाइल लूट का मुकदमा दर्ज ना करने पर पीड़ित द्वारा पुलिस कप्तान के यहां पहुंचने पर थाना पुलिस ने आनन फानन मुकदमा दर्ज कर पीड़ित को तसल्ली दे दी। थाना हरदुआगंज के गांव मोरथल निवासी नदीम खान के साथ मोबाइल लूट की घटना 29 अक्तूबर को तालानगरी पैंठ में हुई थी। वह पैंठ से सब्जी खरीद रहा था तभी एक लुटेरा मोबाइल छीनकर पहले से तैयार बैठे बाइक सवार के साथ बैठकर फरार हो गया नदीम ने उक्त अज्ञात लुटेरे का पीछा भी किया लेकिन नाकाम रहा। पुलिस बोली गिर जाने की दो तहरीर- मोरथल निवासी नदीम ने फोन की लूट हो जाने के बाद थाना हरदुआगंज की ओर रुख किया, और थाने में फोन की लूट हो जाने की तहरीर दी। लेकिन पुलिस कर्मियों ने अपना पल्ला झाड़ते हुए नदीम को मोबाइल के गिर जाने या कहीं खो जाने की तहरीर देने की नसीहत दे डाली। कप्तान के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा- थाना पुलिस से किसी भी तरह की कार्रवाई ना होती दिखाने पर नदीम ने पुलिस कप्तान का दरवाजा खटखटाते हुए अपनी बात रखते हुए पुलिस द्वारा कही हुई बात कही। पुलिस कप्तान के आदेश के बाद थाना हरदुआगंज में मुकदमा दर्ज हो सका है।

जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार अधिक होना इससे साफ जाहिर होता है स्वास्थ्य विभाग से कहीं ना कहीं गलती जरूर हो रही है - राकेश

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष महानगर भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि जिला अलीगढ़ में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है इस पर अंकुश लगना चाहिए स्वास्थ्य विभाग के प्रत्येक अस्पताल में डेंगू के मरीजों की संख्या काफी है डेंगू की रोकथाम के लिए पुख्ता इंतजाम करने चाहिए भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष महानगर भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि जितने स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों में जितने भी मरीज डेंगू के भर्ती हैं प्रत्येक मरीज के साथ डॉक्टर को मेहनत करनी होगी जब मरीज को रिलीफ मिलेगी मरीज के साथ में लापरवाही करना शासन के विपरीत है सरकार हर अस्पताल को अच्छी दवाइयां उपलब्ध करा रही है उन दवाइयां का सही तरह से इस्तेमाल हो भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष महानगर भाजपा शक्ति केंद्र के प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने यह भी कहा है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी प्रतिदिन मरीज देखने के लिए दौरा करना चाहिए देखना चाहिए कोई डॉक्टर मरीज के साथ लापरवाही तो नहीं कर रहा है मरीज के साथ घर जैसा व्यवहार होना चाहिए मरीज के साथ नाराजगी नहीं होनी चाहिए समय-समय पर मरीजों का चेकअप होना चाहिए

मरीजों की स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर तुरंत ट्रीटमेंट होना चाहिए मरीजों की लगातार संख्या बढ़ाना कहीं ना कहीं कोई कमी जरूर हो रही है उसमें सुधार होना चाहिए उत्तर प्रदेश में माननीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार है मरीजों की सेहत के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

मौलाना तौक़ीर रज़ा खान की तरफ से सरकार निजामुद्दीन औलिया की बारगाह में पेश हुई चादर

क्यूँ न लिखूँ सच

दिल्ली स्थित विश्व प्रसिद्ध दरगाह हज़रत निजामुद्दीन औलिया साहब का 720वा उर्स मनाया जा रहा है जिसमे शुक्रवार को उर्स की रस्म अदा की गयी 7उर्स पाक के मुबारक मौके पर हर साल की तरह इस साल भी परम्परागत तरीके से नबीरे आला हज़रत क़ायदे मिल्लत व आई एम सी प्रमुख हज़रत मौलाना तौक़ीर रज़ा साहब की ओर से इत्तेहाद का पैगाम देते हुए दरगाह पर चादर पेश की गयी 7 आई एम सी के युवा प्रभारी फरहान रज़ा खान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली पंहुचा 7 फिर हज़रत निजामुद्दीन औलिया साहब के सज्जादानशीन हज़रत हम्माद मिया निज़ामी साहब ने दरगाह हज़रत निजामुद्दीन औलिया साहब मे मौलाना तौक़ीर रज़ा सहाब की तरफ से भेजी हुई चादर पेश की और फिलिस्तीन के मुसलमानो के लिए व हज़रत तौक़ीर मिया साहब की सेहत व तंदरुस्ती और कामयाबी के लिए व मुल्क में अमन, चैन, भाईचारे की खुसूसी दुआ की गयी 7 फरहान रज़ा खान, नोमान रज़ा खान, शहज़ाद पठान नियाज़ी, रिज़वान हुसैन अंसारी, रहबर अंसारी, निज़ाम क़ुरैशी, मोहसिन पठान, इमरान खान, रेहान खान, बरेली से दिल्ली हज़रत निजामुद्दीन औलिया साहब के मज़ार पर चादर लेकर पहुचे 7

बरेली में उत्कृष्ट कलाकार मौजूद हैं- उमेश गौतम

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली - महापौर उमेश गौतम ने स्थानीय प्रसाद टॉकीज में भोजपुरी फीचर फिल्म 卐इश्क के रोग卐 का फीता काटकर शुभारम्भ किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बरेली अब दिनों दिन सजती संवरती जा रही है।हमारी स्मार्ट बरेली में कलाकारों का रंगमंच और फिल्मों से पुराना नाता रहा है।बरेली के रंगमंच की पहचान देश और विदेशों में भी है।यहाँ से कई कलाकारों और तकनीशियनों ने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनायी है।यही सब देखकर फिल्म निर्माता बरेली की ओर आकर्षित हो रहे हैं।मुख्य शहरों से एयर ट्रैफिक कनेक्टिविटी भी इसका प्रमुख कारण है।जिसके फलस्वरूप स्थानीय प्रतिभायें उभरकर सामने आ रही हैं।यह कलाकारों के भविष्य के लिए अहम है कि वह घर बैठे ही काम पा रहे हैं।उत्तर प्रदेश सरकार भी फिल्मों को सब्सिडी देने का कार्य कर निर्माताओं का प्रोत्साहन कर रही है।फिल्मों में बरेली की खूबसूरती और ऐतिहासिक इमारतों के भी दर्शन दुनिया भर के फिल्म प्रेमियों को हो रहे हैं। नीलम एंटरटेनमेंट क्रिएशन की प्रस्तुति भोजपुरी फीचर फिल्म 卐इश्क के रोग卐 की निर्माता नीलम सिन्हा ने बताया कि बरेली,गोरखपुर, मुंबई,बिहिया,बनारस के कलाकारों के अभिनय से सजी इस फिल्म के प्रोडक्शन मैनेजर राजीव रंजन,लेखक शमीम शहजाद,गीतकार कुमार जितेन्द्र एवं धर्मेंद्र भट्ट, सहायक निर्देशक अवधेश के वर्मा और निर्देशक संतराम हैं।फिल्म के मुख्य कलाकार कुमार जितेन्द्र,आँचल पाण्डेय,राजू रोमन,सतेन्द्र सिंह,ज्योति मिश्रा,मौसमी प्रभा,खुशबू,आरिफ हुसैन खान,राजीव रंजन,आनंद सरन,प्रदीप देव,साजिद खान आदि हैं।पारिवारिक प्रेम और देशप्रेम की समानांतर कहानी पर आधारित है फिल्म 卐इश्क के रोग卐 तथा फिल्म में स्थानीय कलाकारों को भी मौका मिला है।दिनाँक 03 नवंबर से प्रसाद टॉकीज में 04 शो में फिल्म चलेगी।स्थानीय कलाकारों में फिल्म को लेकर बहुत उत्साह है।इस अवसर पर विनय चतुर्वेदी,देवेन्द्र रावत,पवन कालरा,रंजीत वालिया,ओमदेव पाठक, संजीव शर्मा आदि उपस्थित रहे।

गौशालाओ में भूखे प्यासे गोवंशो को अब किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-विश्व हिन्दू परिषद गौ रक्षा विभाग के ब्रज प्रान्त के प्रान्त अध्यक्ष अरविन्द सिंह चौहान ने कहाँ कि पूरे ब्रज प्रान्त में गोकंशी व गौशालाओ में भूखे प्यासे गोवंशो को अब किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा क्योंकि शासन के द्वारा सभी गौशाला में भरपूर पैसा आता है पैसे का दुरुपयोग करके सभी गौशाला बाले अपनी जेब भरने में जुटे हुए हैं ऐसा मेरे संज्ञान में आया है तथा पशुपालन विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल जी ने कहा था कि सितंबर अक्टूबर नवंबर में जनपदों में अभियान चला कर सभी गोवंशो को गौशालाओं में पहुंचाया जायेगा तथा गोवंशो को छोड़ने वालों पर भी कार्यवाही करायी जायेगी लेकिन उक्त कार्यक्रम धरातल पर अभी दिखाई नहीं दे रहा है तथा अभी भी गोवंश सड़कों पर घूमते नजर आ रहे है।पूरे ब्रज प्रांत में गोवंशो का बुरा हाल गौशालाओ में चारा न मिलने तथा बीमार गोवंशो को इलाज न मिलने के कारण भी काफी मौतें हो रही है। लेकिन जिलाधिकारी महोदय एटा प्रेम रंजन सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय राजेश कुमार सिंह ने गोवंशों के लिए कमर कस ली है तथा दोनों अधिकारियों ने कहाँ की गोकशी करने वालों पर गैंगस्टर,रासुका तथा एन.एस.ए. के तहत कार्यवाही की जाएगी गोकशी करने बाले किसी भी हाल में बक्से नहीं जायेगे। जिला अधिकारी महोदय एटा ने गोशालाओ के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किये गये।ऐसा ही अगर एसे ही पूरे ब्रज प्रांत में जिलाधिकारी महोदय व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय कदम उठा लें तो गोवंशो की गोकशी तत्काल प्रभाव से रुक जाएगी इसके साथ साथ लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर भी कार्यवाही हो क्योंकि कुछ अधिकारी व कर्मचारी सरकार की बदनामी कराने में जुटे हुए हैं सरकार तो बदली लेकिन कुछ तथाकथित अधिकारी व कर्मचारियों की मानसिकता नहीं बदली।जब कि मुख्यमंत्रीजी ने सरकार में आते ही सबसे पहले कट्टी घरों पर रोक लगाई जिसके कारण गोवंशों के आशीर्वाद से भारतीय जनता पार्टी द्वारा सत्ता में आयी। श्री चौहान ने कहाँ कि पूरे ब्रज प्रांत में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के द्वारा गौशालाओं का आकस्मिक निरीक्षण कराया जा रहा है तथा वहां पर जो कमियां मिल रही है उनको संबंधित जिले के जिलाधिकारी महोदय व मुख्यमंत्री जी को भी अवगत कराया जाएगा।

टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने किया बेहतर प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाई

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली -थाना सुभाष नगर क्षेत्र के अवध कॉलोनी में एक बुजुर्ग ने घर में पुराने कपड़ों में आग लगाकर उसमें बैठ गए अपने आप को लगाई आग घायल बुजुर्ग ध्रुव मेहरोत्रा को जिला अस्पताल में कराया भर्ती, अपने बेटे अतुल मेहरोत्रा के साथ रहते हैं, दूसरा बेटा अपने परिवार और मां के साथ अलग रहता है, बुजुर्ग जो की मानसिक रूप से बीमार है, इसलिए उनका बेटा अतुल कपूर घर में बाहर से ताला डालकर कहीं गया हुआ था कि घर में आग की लपटे निकलने लगी पड़ोसियों ने देखा और तुरंत ताला तोड़कर आग बुझाई, और बेटे को सूचना दी बेटे ने एंबुलेंस को फोन किया वहीं पड़ोसी ने पुलिस को फोन कर दिया थाना सुभाष नगर एस आई नफीस अहमद घायल बुजुर्ग को अस्पताल ले जाने लगे लेकिन एंबुलेंस को फोन कर दिया गया था उसके बाद एंबुलेंस से घायल मरीज को अस्पताल पहुंचाया क्षेत्राधिकारी सीओ भी मौके पर पहुंचे ।।

आशिकी फिल्म के हीरो ने नेहा को बेस्ट मॉडल ऐक्ट्रेस के अवार्ड से किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- नेहा कश्यप को शो में शोज़ टॉपर और मुख्य अतिथि के रूप में इन्वाइट किया गया था नेहा कश्यप ने फिर एक बार बाँदा जिले का नाम रोशन किया एस के अकैडमी ऑर्ट सोसाइटी समीर खान द्वारा झाँसी में मिस बुंदेलखंड 2023 और अवार्ड शो का आयोजन किया गया ।जिसमें बॉलीवुड सिलेब्रिटी जाने माने अभिनेता राहुल रॉय ने नेहा कश्यप को बेस्ट मॉडल ऐक्ट्रेस का अवार्ड देकर उनको सम्मानित किया ।एक्टर राहुल रॉय ने बहुत से फ़िल्मों में काम किया और उनकी हर एक बॉलीवुड कीं फिल्म सुपरहिट गई इनकी सबसे फेमस फिल्म आशिक़ी रही जिसमें उन्होंने अच्छी ऐक्टिंग और सुपर हिट गानो से लोगों का दिल जीत लिया राहुल रॉय की आशिक़ी फिल्म ने दिलो में राज किया है जिसको लोग अभी तक भी भूल पाए नेहा कश्यप ने बताया की उनको सपना था राहुल रॉय से मिलने का उनका सपना पूरा हो गया.

नेहा कश्यप पूर्व मर भी कई बॉलीवुड के सितारों के द्वारा सम्मानित की गई है. नेहा कश्यप ने अवार्ड के साथ साथ मंच में शो टॉपर वॉक करके और अपनी वॉक से जलवे बिखेर दिये. इन्होंने ऐसे कई शोज़ किए हुए है और ये खूब इस चेत्र में तरक़्क़ी कर रही है ।कही उन्हें जज्मेंट के लिए तो कही शो के लिए इन्वाइट किया है शो में मैं बनूँगी मिस बुंदेलखंड फिल्म की शूटिंग भी की गई और शो में बहुत सारे मुम्बई के ऐक्ट्रेस और सिलेब्रिटी उपस्थित रहे और कलाकार जो सभी लोग फिल्म का पार्ट बने और काम किया नेहा कश्यप की राहुल रॉय ने बहुत तारीफ़ की और उनके हुनर को सराया आगे बढ़ने की ढेर सारी शुभकामनाएँ भी दी।

सड़क दुर्घटना में घायल दूसरे युवक ने भी तोड़ा दम

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-सड़क हादसों में घायल दूसरे युवक ने दम तोड़ दिया। आगरा ले जाते समय रास्ते में युवक की मौत हो गई। थाना अवागढ़ के गांव कच्छपुरा निवासी सुरेश चंद्र (45) पुत्र इंद्रपाल, साथी फूल चंद्र सहित अन्य लोग ई-रिक्शा से बुधवार रात को पोडरी से अवागढ़ की तरफ जा रहे थे। गदेसरा बंबा के पास लघुशंका के लिए रिक्शा को रुकवा लिया था। सुरेश चंद्र, फूल चंद्र लघुशंका के लिए गए थे।

लघुशंका करने के बाद लौट रहे थे। इसी दौरान कैंटर ने रौंद दिया। टक्कर लगने से फूल चंद्र की मौके पर ही मौत हो गई थी। सुरेश चंद्र गंभीर घायल हो गए। परिवारीजन सुरेश को आगरा लेकर जा रहे थे।

रास्ते में इनकी भी मौत हो गई। मामले में इनके बेटे राजेश कुमार ने कैंटर चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। अन्य सड़क हादसों में दो लोग घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पिलुआ क्षेत्र में हाइवे पर ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इसमें किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है।

जिले में लगातार अज्ञात शव मिलने का सिलसिला जारी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-सड़क किनारे पड़ी मिली महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। कई दिनों से मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा था। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। कोई भी शिनाख्त करने नहीं पहुंचा है।

बता दें कि 25 अक्टूबर को महिला को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि शहर में ही महिला मिली थी। चोट होने के कारण महिला को मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी लाया गया। महिला का कई दिनों से उपचार चल रहा था। गुरूवार सुबह पांच बजे महिला की मौत हो गई। महिला के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस के अनुसार महिला की उम्र करीब 30 साल के आस-पास थी। बता दें कि कुछ दिन पहले एक युवक का भी शव कोतवाली देहात के गांव नगला पवल के पास मिला था उसकी भी शिनाख्त नहीं हो सकी है। जिले में लगातार अज्ञात शव मिलने का सिलसिला जारी है।

दूरस्थ क्षेत्र के मतदाताओं को किया जा रहा जागरूक

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- दूरस्थ क्षेत्र ग्राम पंचायत घुईडीह में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत लोगों को शत प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया तथा उन्हें शपथ दिलाई गई, पिछले निर्वाचन में यहां वोट बहिष्कार की स्थिति बनी थी। यहां का वोट प्रतिशत शून्य था। ग्राम घुईडीह के आश्रित गांव बांकी वह बेलामी में भी आज मतदाता जागरूकता कार्यक्रम कराया गया।

हर दर्द की दवा है गोविंदा की गली में

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली - श्री हर मिलाप शिव शक्ति मंदिर में , श्री वैष्णो देवी बुआ दाती संकीर्तन मंडल के गुरुदेव श्री रामनाथ जी अरोड़ा जी के आशीर्वाद से संकीर्तन संपन्न हुआ, जिसमें सब सर्वप्रथम गणेश वंदना वह हरि नाम संकीर्तन का उच्चारण हुआ ,उसके बाद भजन गायक जगदीश भाटिया ने 卐क्यों आकर रो रहा है
गोविंदा की गली में वह श्रीमती शिखा वर्मा ने भजन 卐तेरा दीदार क्यों नहीं होता जितेंद्र दुआ ने भजन गाया, राधे गोविंद से मिला दे की धुन पर मंदिर में नित्य भी हुआ मंदिर के प्रबंधक राम सेठी में सभी का आभार प्रकट किया कीर्तन सहयोग में भजन गायक जगदीश भाटिया ,देवेंद्र दुआ, सचिन खत्री, किशन कपूर, राजीव साहनी ,संजीव सोई, प्रेम भाटिया ,गौतम डूडेजा, छंगा जी, प्रमुख रहे व अंत में प्रसाद वितरण हुआ

संविधान विरोधी भाजपा सरकार को जनता उखाड़ फेंकेगी- गयादीन अनुरागी

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष गयादीन अनुरागी पूर्व विधायक राठ ने शुक्रवार को कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुये कहा कि संविधान विरोधी भाजपा सरकारों को जनता उखाड़ फेंकेगी ।उन्होनें कहा कि भाजपा शासन में बड़ती हुई महंगाई ओर बेकारी के कारण आम आदमी का जीना दूभर हो गया है।

बैठक में समीपवर्ती राज्य मध्य प्रदेश की निवाड़ी, जतारा, टीकमगढ़, चंदला, बिजावर, दतिया, भांडेर , करैरा व चित्रकूट विधान सभा में पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार में जाने का कार्यक्रम तैयार किया गया।

इस मौके पर अमीर चंद आर्य, घनश्याम दास वर्मा, अशोक कन्सौरिया, हरिओम श्रीवास, राजकुमार फौजी, जसवंत अनुरागी, हरीराम वर्मा, शैलेंद्र वर्मा शीलू, राजेश वर्मा आदि ने विचार व्यक्त किये। इसके पूर्व कांग्रेस अनुसूचित विभाग के पूर्व प्रदेश सचिव अमीर चंद आर्य के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने झांसी आने पर पी डब्लू गेस्ट हाउस में उनका स्वागत किया ।इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र शर्मा व अतुल अहिरवार आदि मौजूद रहें।

पुलिस मुठभेड़ के दोषी को सजा सुनाई गई

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-एसएचओ कोतवाली देहात रहे शेरसिंह ने कोतवाली देहात में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया था कि 29 जून 2018 अमांपुर रोड पर चेकिंग कर रहे थे। स्वाट टीम प्रभारी सतपाल सिंह भी टीम के साथ रहे। बाइक सवार युवक आता दिखाई दिया था जिससे रूकने को कहा गया। बाइक लेकर भागने लगा था। दोनों तरफ से फायरिंग हुई। पुलिस मुठभेड के बाद आरोपी आविद पुत्र सुबराती निवासी लोधीपुर थाना छर्रा अलीगढ़ को पकड़ा था। कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेजा था। गुरूवार को दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं ने दलील पेश की। दलील सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावित क्षेत्र वीरभद्र ने आरोपी आविद को दोषी माना। दोषी को पांच साल की सजा सुनाई है। 200 रुपये अर्थदंड भी लगाया है। शासन की ओर से एडीजीसी प्रवेश भारद्वाज, शांतनु पाराशर ने पैरवी कीपुलिस मुठभेड़ के दोषी को सुनाई पांच साल की सजा

भाजपा नेता के पुत्र ने कराई 7 लाख की लूट, मुठभेड़ में बाइक सवार दो लुटेरे हत्थे चढ़े

24 घंटे के भीतर पुलिस ने लूटकांड का किया खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी-जनपद के मऊरानीपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह तड़के पुलिस व स्वाट की लुटेरों के बीच मुठभेड़ हुई. पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से एक लुटेरा घायल हो गया । बाइक सवार दोनों लुटेरे लगभग 16 घंटे पहले सरेआम मऊरानीपुर में बैंक के सामने से 7 लाख रुपए को लूट कर रफूचक्कर हो गये थे।

पूछतांछ में पता चला कि पीड़ित ने ही अपने दोनों साथी के साथ मिलकर लूट की घटना करवाई थी। जिसका ऑडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

गौरतलब है कि गुरुवार को दिन दाहड़े जनपद के मऊरानीपुर थाना क्षेत्र में एक्सिस बैंक के बाहर से शराब कारोबारी, भाजपा नेता के पुत्र से लूट की घटना हुई थी। मऊरानीपुर के परवारीपुरा निवासी भाजपा के नगर अध्यक्ष के बेटे ऋषभ राजपूत ने बताया था कि वह बैंक में रुपए जमा करने आया हुआ था तभी बाइक सवारों ने 7 लाख 20 हजार रुपए से लूट है। घटना के बाद पुलिस ने छानबीन करते हुए वहां सीसीटीवी कैमरे देखे। जिसमें बाइक सवार दो युवक भागते हुए नजर आए। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर बाइक सवारों की तलाश शुरु कर दी। यहां तक कि 25 हजार ईनाम घोषित कर सोशल मीडिया का भी सहारा लिया। इसी दौरान पुलिस को एक ऐसा ऑडियो भी हाथ लग गया जिसमें पीड़ित द्वारा ही लूट की योजना बनाने की चर्चा हो रही थी। इसके बाद पुलिस टीमें सक्रिय हो गई। शुक्रवार की तड़के लगभग 4 बजे पुलिस टीमों को पता चला कि छतरपुर बाईपास के पास से लूट के आरोपी भागने की फिराक में हैं। सूचना को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस द्वारा बताए गए क्षेत्र में चैकिंग शुरु कर दी।

इसी दौरान बाइक सवार दो युवक आते हुए नजर आए। पुलिस को देख वह फायरिंग करते हुए भागने लगे। पुलिस ने भी अपना बचाव करते हुए बाइक सवारों पर फायरिंग की। जिसमें कई राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया जबकि दूसरे को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पुलिस ने मौके से असलाहा, कारतूस और लूट में प्रयुक्त बाइक में बरामद की। पकड़े गये युवकों से पुलिस ने पूछतांछ की तो चला कि इस लूटकांड का सूत्रधार कोई और नहीं बल्कि पीड़ित ऋषभ राजपूत ही है। जिसने अपनी उधारी चुकाने के लिए अपने दोस्त के साथ मिलकर इन दोनों बाइक सवार युवकों से लूट की घटना की घटना करवाई थी। जिसके एवज में उन्हें लूटी गई रकम में से 80 हजार रुपए भी दिए गए थे। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गोपीनाथ सोनी ने बताया कि कि पूछतांछ में बदमाशों ने अपना नाम राहुल और अकुंश निवासी गांधीगंज बताया। पुलिस ने उनके पास से लूट का बैग और बाइक बरामद हुए है। पूछतांछ मे पता चला था कि बैंग में केवल 80 हजार रुपए था। पीड़ित ऋषभ राजपूत ने अपने दोस्त आशीष के साथ मिलकर योजना बनाई थी, क्योंकि ऋषभ पर काफी कर्जा हो गया था,

जिसे चुकाने के लिए यह घटना घटित की गई। ऋषभ अपने साथी के साथ मिलकर काफी समय से इस प्रकार की योजना बना रहे थे। इससे पहले भी उन्होंने प्रयास किया था, किंतु कतिपय कारणों से सफलता नहीं मिली थी।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुआ स्टेट एजूकेशन अचीवमेंट सर्वे

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली - रिठौरा।शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर शुक्रवार को नगर के दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज, जीएलबी मैमोरियल पब्लिक स्कूल, सुशीला नत्थू लाल जूनियर हाईस्कूल, दीवान कान्वेन्ट पूर्व माध्यमिक विद्यालय भंडसर, श्री मती जानकी देवी हायर सेकंडरी स्कूल,पद्मावती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बीबीएल पब्लिक स्कूल आदि में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कक्षा-तीन,छह,नौ के छात्र -छात्राओं ने हिस्सा लिया।इस मौके पर प्रधानाचार्य आशीष कुमार सिंह, डॉक्टर मेहरबान सिंह,ममता गुप्ता, मयंक मल्होत्रा, ममता बनर्जी, डॉक्टर अल्पना जोशी सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

5 लाख रुपए से भरा एक बक्सा लेकर बदमाश रफू चक्कर

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- झाँसी नवाबाद थाना क्षेत्र के सब रजिस्ट्रार के ऑफिस के ठीक सामने स्टांप वेंडर के बस्ते से 5 लाख रुपए से भरा एक बक्सा लेकर बदमाश रफू चक्कर हो गया। घटना की

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और जांच पड़ताल में जुट गई। पीड़ित जाहिद अहमद ने बताया कि जब वह खाना खा रहे थे। इसी दौरान उनकी नोटों से भरी पेटी गायब हो गई । जब उनके बेटे की नजर पड़ी कि आखिर बक्सा कहां चला गया। उसके बाद में खोजबीन शुरू की गई। लेकिन काफी जगह तलाश करने के बाद बक्सा नहीं मिला। स्टांप वेंडर के पास रखे बक्से में 5 लाख रुपया रखा था। नोटों से भरे बक्से की चोरी होने की सूचना पीड़ित ने पुलिस को दी। जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित से बातचीत की इसके बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने में लग गई।

कर्मवीर ने ललित कौशिक का लिया नाम, 70 लाख रुपए के चक्कर में की हत्या

मुरादाबाद-मझोला थानाध्यक्ष संजय कुमार पांचाल ने बताया कि बुधवार को पुलिस टीम हर्बल पार्क नया मुरादाबाद में चैकिंग कर रही थी, तभी अभियुक्त कमलवीर को हर्बल पार्क के पास सड़क पर गिरफ्तार कर किया गया। अभियुक्त ने अपना नाम कमल वीर पुत्र श्याम सिंह निवासी प्रकाश एनक्लेव थाना सिविल लाइन बताया है। ये मूल रूप से किशनपुर थाना छजलैट का रहने वाला है। पूछताछ में बताया है कि वर्ष 2021 में प्रभाकर की पत्नी संतोष ब्लाक असमोली से निर्दलीय ब्लाक प्रमुख का चुनाव लड़ी थी। विपक्ष में बीजेपी से अनुज चौधरी चुनाव लड़ा था। प्रभाकर की पत्नी असमोली सम्भल से ब्लाक प्रमुख का चुनाव जीत गयी। अनुज चौधरी उसी समय से प्रभाकर के परिवार से रंजिश रखने लगा था। अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा था। ब्लाक प्रमुखी के चुनाव में ललित कौशिक ने भी प्रभाकर की काफी मदद की थी। अनुज चौधरी के 70 लाख रुपये ललित कौशिक तथा उसके पर उधार थे। उन्हीं पैसो को लेकर अनुज चौधरी से कहा सुनी हुई थी, जान से मारने की धमकी भी दी थी। पैसो को लेकर अनुज चौधरी की ललित कौशिक व मेरे साथ मे कहा सुनी भी हुई थी। हमे जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। अनुज चौधरी ने 2020 में जिला पंचायत चुनाव को लेकर थाना रजबपुर क्षेत्र अमरोहा में मोहित चौधरी पर जान से मारने की नियत से फायर कराये थे। जिससे मोहित चौधरी बच परन्तु मोहित चौधरी की एक आँख खराब हो गयी थी। उसी समय से मोहित चौधरी और मोहित का भाई अमित भी अनुज चौधरी से दुश्मनी रखने लगा था। अनुज चौधरी के नाम पर बेनामी संपत्ति थी, जो काफी कीमती थी। आपस मे बांट लेंगे। जिसमें कई करोड़ों का फायदा हम लोगो का होने वाला था। हम सब लोग मिलकर अनुज चौधरी को रास्ते से हटाना चाहते थे। इसके बाद मैने व ललित कौशिक, प्रभाकर व अनिकेत एवं अनुज चौधरी का विरोधी अमित कुमार व और अमित के दोस्त नीरज पाल व पुष्पेन्द्र उर्फ भूरा ने मिलकर अनुज चौधरी की हत्या कराने की योजना बनायी। इसके बाद अनुज चौधरी को रास्ते से हटाने के सम्बन्ध में कई बार मुरादाबाद में मीटिंग भी की थी। मै भी प्रभाकर, अनिकेत आदि के साथ मे तीनो शूटरों की मीटिंग में गया था। लेकिन, मुझे उस समय ये लोग जानते नहीं थे। तीनो शूटरो मे से एक का नाम सूर्यकांत शर्मा उर्फ शानू पुत्र अरविन्द शर्मा निवासी ब्रह्मपुरी जयंतीपुर थाना मझोला जनपद मुरादाबाद व सुशील शर्मा उर्फ गोलू शर्मा पुत्र ज्योति प्रकाश शर्मा निवासी ब्रह्मपुरी जयंतीपुर थाना मझोला मुरादाबाद व आक उर्फ गटवा पुत्र पप्पू कश्यप निवासी भदौंडा कब्रिस्तान के पास थाना कटघर था। इस योजना मे अनुज चौधरी को रास्ते से हटाने का पूरा ठेका 30 लाख रुपये में तय हुआ था। 10 अगस्त को शूटर सूर्यकान्त शर्मा उर्फ शानू, आकाश उर्फ गटूवा व सुशील उर्फ गोलू ने पार्श्वनाथ सोसायटी मे अनुज चौधरी को अनुज चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत जागरुकता दौड़ का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ /पेटलावद। कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत(जिला स्वीप नोडल) के निर्देशानुसार स्वीप प्रोग्राम के तहत पेटलावद में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जागरुकता दौड़ तहसील कार्यालय से श्रद्धांजलि चौक तक और श्रद्धांजलि चौक से हायर सेकेण्डरी स्कूल ग्राउंड तक किया गया। जागरुकता दौड़ में सम्मलित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों एवं कॉलेज के स्टूडेंट्स ने मतदाता जागरूकता के नारे लगाए। जागरुकता दौड़ का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को अधिक से अधिक जागरूक करना एवं मतदान का प्रतिशत बढ़ाना है। जागरुकता दौड़ का समापन हायर सेकेण्डरी स्कूल ग्राउंड पेटलावद में हुआ। अंत मे

अनिल राठौर ने जागरुकता दौड़ में सम्मलित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए अपील की गई कि इस बार सभी मतदाता अपने अमूल्य मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। जागरुकता दौड़ में अनुविभागीय अधिकारी अनिल कुमार राठौर, तहसीलदार निगवाल, नायब तहसीलदार सालवी, जनपद पंचायत सीईओ राजेश दीक्षित, थाना प्रभारी राजू बघेल, सीएमओ आशा भंडारी, परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास इशिता मशानिया, बीआरसी रेखा गिरी एवं अन्य विभागीय अधिकारीगण व कर्मचारीगण आदि सहभागी रहे।

हिरन मारने की झूठी सूचना देना पड़ा भारी पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के गांव मुल्लापुर के जान मोहम्मद ने रिठौरा पुलिस चौकी पर सूचना दी गांव में किसी व्यक्ति ने गोली मारकर हिरन को मार डाला और उसकी खाल नदी के उस पार थाना भोजीपुरा क्षेत्र में फेंक दी।जब पुलिस मौके पर पहुंची तो न कहीं खून के निशान मिले और न ही नदी के दूसरी तरफ खाल दोनों थानों की पुलिस ने तमाम लोगों से जानकारी जुटाई लेकिन किसी

ने भी गोली की आवाज सुनने की पुष्टि नहीं की। वहीं पुलिस को जानकारी मिली गांव में रंजिशन लोगों को फंसाने के लिए ऐसी अफवाह उड़ाई गई। पुलिस सूत्रों ने बताया गांव में दो महत्वपूर्ण मुकदमों के फैंसले आने वाले हैं।जिसको लेकर माहौल काफी गरम है।

घर में घुसकर जानलेवा हमला करने वाले दो लोगों को कारावास, लगा जुर्माना

मुरादाबाद-कांठ थाना क्षेत्र के उमरी कला गांव में नजाकत हुसैन के घर घुसकर फायरिंग और मारपीट, जमीन पर कब्जा करना अफजाल व जुल्फिकार को काफी महंगा पड़ा है गुरुवार को न्यायालय ने इन दोनों को 4 वर्ष का कठोर कारावास एवं प्रत्येक को 10-10 हजार रुपए के जुर्मान से दंडित किया है। दोषसिद्ध आरोपियों के विरुद्ध वर्ष 2014 में छजलैट थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। सजा पाए आरोपी सगे भाई हैं, यह लोग अंसारियान उमरीकला के रहने वाले हैं। भैरव कर हेड कांस्टेबल ने बताया कि घटना 5 दिसंबर 2014 की है। दोष सिद्ध आरोपी वादी का मकान कस्बा करने के चक्कर में घर में घुसकर मारपीट और फायरिंग की थी। घटना के दौरान आरोपियों ने वादी से 10,000 रुपए भी छीन लिए थे।

अवैध शराब का परिवहन करते थाना राणापुर की चौकी कुदंनपुर ने की धरपकड

क्यूँ न लिखूँ सच
शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ - पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ अगम जैन के द्वारा सभी थाना प्रभारीयो को विधानसभा चुनाव को लेकर अवैध गतिविधीयो में लिप्त अपराधियो की धरपकड के लिये सख्त निर्देशित दिये गये, जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे, एवं एसडीओपी झाबुआ रुपरेखा यादव के मार्गदर्शन में राणापुर थाना प्रभारी शंकरसिहं रघुवंशी की टीम लगातार अवैध शराब के कारोबार में लिप्त अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु सघनता से लगी हुई थी।

जिसमें थाना राणापुर की चौकी कुंदनपुर पुलिस को

अपने विश्वसनीय मुखबीर सूचना पर भाण्डाखेडा रोड रोड तरफ से एक सफेद रंग की अल्टो कार में अवैध अंग्रेजी शराब जिसमें एक बोरे में माउण्ट बीयर के 68 नग, बैग पाईपर व्हीस्की के 96 नग , गोवा व्हीस्की के 48 नग ग्रीन पार्क व्हीस्की के 48 नग कुल शराब 68.56 बल्क लीटर जिसकी किमती 26000 रुपये एवं चार पहिया वाहन अल्टो जिसकी किमत करीबन 500000 रुपये की जप्त कर आरोपी किरण कुमार पिता सतीश भाई जयसवाल निवासी स्टेशन फलिया लिम्बखेडा दाहोद को गिरफ्तार किया गया आरोपी किरण कुमार के विरुध्द अपराध क्रमांक757/2023 धारा 34(2)36,46 आब. एक्ट तहत कार्यवाही कर माननीय न्यायालय झाबुआ पेश किया गया । जप्ति:- माउण्ट बीयर के 68 नग, बैग पाईपर व्हीस्की के 96 नग , गोवा व्हीस्की के 48 नग, ग्रीन पार्क व्हीस्की के 48 नग कुल शराब 68.56 बल्क लीटर जिसकी किमती 26000 रुपये एवं चार पहिया वाहन अल्टो जिसकी किमत करीबन 500000 रुपये उक्त सराहनीय कार्यवाही मे थाना प्रभारी राणापुर निरीक्षक शंकरसिहं रघुवंशी, उपनिरीक्षक मोहनसिहं सोलंकी , सहायक उपनिरीक्षक चतरसिहं रावत, सहायक उपनिरीक्षक कडबसिहं मेडा, प्रधान आरक्षक 502 तेरसिहं , आरक्षक 446 सुनील डावर का महत्वपुर्ण योगदान रहा ।

निर्वाचन के काम में लापरवाही बर्दास्त नहीं,

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।सदर तहसील सभागार में शुक्रवार को एसडीएम सदर रत्निका श्रीवास्तव ने बीएलओ एवं सुपरबाईजरों के साथ समीक्षा बैठक बुलाई जिसमें साफ़ तौर पर निर्देश दिए गए फ़ार्म संख्या 6 और 7 पर विशेष रूप से चार और पांच नवम्बर को लगने वाले विशेष बूथों पर काम करना है। अट्ठारह और उन्नीस वर्ष 50,80,100,वर्ष के ऊपर के वोटरों का विशेष ध्यान रखा जाए।आस -पास के डिग्री कालेज, अस्पताल आदि में भी कैंप लगाकर वोट बनाए जाएं। वहीं रिठौरा के एक शिक्षक ने बताया बिना आदेश के उनके प्रधानाचार्य उन्हें रोकते हैं।यह सुनकर एसडीएम महोदया ने तुरन्त फोन पर उक्त प्रधानाचार्य को तहसील में तलब कर लिया।इस मौके पर ऋषि कुमार,सुपरवाईज़र दिनेश कुमार सिंह, बीएलओ वर्षा गुप्ता,सीमा यादव, दुर्गा सिंह, रामपाल, रामदास, विमलेश कुमार, कुलदीप गंगवार, धनपाल सिंह, मोहित रस्तोगी सहित तमाम बीएलओ मौजूद रहे।

If you are going to the market for Diwali shopping, do not make these mistakes, otherwise you may suffer losses.

Like every year, this year too people are ready to celebrate the festival of Diwali with great pomp. Diwali will be celebrated in just a few days. On this day, lamps are lit all around,

people distribute sweets to each other and celebrate this festival with great pomp and show by bursting crackers. On the other hand, preparations for Diwali are made well in advance, one of which is shopping. People go to the market for Diwali shopping. In such a situation, if you are also going to the market for shopping this Diwali, then take special care of some things. Otherwise you may also suffer loss. So let us know what these things are. You can know about this in the next slides... Keep these things in mind while Diwali shopping: - Do not take children - If you are going for Diwali shopping, then keep in mind that small children should not be taken with you. Do not take it to the market. Actually, there is a lot of crowd in the market, hence there is a fear of children going missing. Therefore, if possible, leave the children at home and keep the money safely. If you are taking cash with you to the market, then keep it safely. This is because on these occasions people's pockets also get cut. Therefore, if possible, you can make online payment instead of cash and keep whatever little cash you are carrying safe. Women should also take care of their purses. Take care of your mobile - Imagine what will happen if your mobile gets stolen? First of all, you will be worried and you will not be able to make online payment to anyone. Therefore, keep your mobile safely in the market, otherwise it can get stolen because there is a lot of crowd here. You can also shop earlier - Many people choose the days around Diwali for Diwali shopping. In such a situation, there is a lot of crowd in the market and shopping is not done properly. In such a situation, you can do Diwali shopping a few days in advance, so that you can avoid the crowd. You may also get cheaper items as well.

There are so many holidays this month including Diwali and , plan to travel on these dates

It is the season of festivals. Many big festivals are being celebrated this month. The month of November is the month of many festivals along with changes in weather. The month is starting with Karva Chauth. After Karva Chauth, there is a five-day holy festival of Diwali. Also there is Chhath Puja and Guru Nanak Jayanti. There are many holidays in the month of November due to national and religious festivals. Many offices including banks will remain closed on this occasion. If you have been waiting for holidays for a long time, then this month is very suitable. You can take advantage of the holidays in the month of November and spend quality time with family and friends. If you wish to travel during the holidays in the month of November, then know when and how many holidays are available so that you can plan your travel according to the holidays. Diwali is on 12th November, this day is Sunday. Govardhan Puja holiday is on 13th November. In this way you are getting three consecutive days off. There is a holiday from 11th to 13th November. This month you are getting two weekend combos. Chhath holiday is on 20th November. Before this, weekends of Saturday and Sunday are also available. Guru Nanak Jayanti is on 27th November. In terms of holidays, long weekend is available on 25, 26 and 27 November. List of November Holidays 1 November 2023 - Kannada Rajyotsava/ Kut/Karva Chauth (Bengaluru, Shimla, Imphal) 5 November 2023 - Sunday 10 November 2023 - Vangala Festival (Shillong) 11 November 2023 - 2nd Saturday 12 November 2023 - Sunday 13 November 2023 - Govardhan Puja/Lakshmi Puja (Deepawali)/Diwali (Agartala, Gangtok, Dehradun, Imphal, Kanpur, Lucknow, Jaipur) 14 November 2023 - Diwali (Bali Pratipada)/Deepawali/Vikram Samvat New Year Day/Lakshmi Puja (Ahmedabad, Belapur, Gangtok, Mumbai, Nagpur, Bengaluru) 15 November 2023 - Bhai Dooj/Chitragupta Jayanti/ Lakshmi Puja (Deepawali)/Ningol Chakauba/Bhratri Dwitiya (Gangtok, Imphal, Kanpur, Kolkata, Lucknow Shimla) 19 November 2023 - Sunday 20 November 2023 - Chhath (Morning Arghya) (Patna, Ranchi) 23 November 2023 - Seng Kutsnem/Igas-Bagwal (Dehradun, Shillong) 25 November 2023 - 4th Saturday 26 November 2023 - Sunday 27 November 2023 - Guru Nanak Jayanti / Kartik Purnima / Rahas Purnima (Agartala, Aizawl, Belapur, Bhopal, Bhubaneswar, Chandigarh, Dehradun, Hyderabad - Telangana, Jaipur, Jammu, Kanpur, Kohima, Kolkata, Lucknow, Mumbai , Nagpur, New Delhi, Raipur, Ranchi, Shimla, Srinagar) 30 November 2023 - Kanakdas Jayanti (Bangalore) When can you go on a trip in November?

Why don't women want to get married? Know the reason for being single

It was once believed that being married for women was as important as breathing. But new age women are preferring to remain unmarried i.e. single. Education and economic self-reliance have changed their thinking and situation. But is this the only reason or are there more? 40-year-old Sunita stopped going to social functions only because people everywhere asked, "When are you feeding the wedding laddus?" In the society, women being single has been considered a taboo. If an unmarried/single woman is seen at a function, various things

are said about her. Sometimes it becomes difficult for such women to even attend festivals. In fact, it is a rule of society that people ask about things that you don't have. But for some time now, there has been a rapid change in the mentality of girls about getting into relationships and being committed. Girls are moving away from marriage, which was considered a bond of seven lives. Today he likes to be alone and live with confidence. Defying the customs and traditions of the times, these girls look more confident than before. Today their priorities have also changed. In a recent study report, it has been claimed that women prefer to remain single more than men. According to this study conducted by data analyst 'Mintel', while 49 percent men are happy with their single status, 61 percent women want to remain single. The report also claims that among single women, about 75 percent are women who have not even tried to find a partner, whereas compared to women, such men are only 65 percent. What is the reason - The results of the study revealed that women have to do more work and hard work than men to maintain relationships, because in a way the responsibility of household is put on the part of women in our country. Is. According to relationship experts, along with maintaining relationships, women are also involved in household chores like cooking, taking care of the family, raising children and settling minor conflicts in relationships. They get so confused that after some time they lose interest in relationships. All this seems confusing to them. They start missing their 'me' time. As a result, they start running away from the bonds of marriage. This view linking marriage and children to a woman's completeness has changed with time. Now marriage and having children are no longer a woman's priority. 35 year old accountant Prerna says that she is a single woman. He never felt the need to marry. She says, "There are many people and friends in my life with whom I am happy." One of her friends also lives with her. Both are happy in their life. Now even the family members have given up and have stopped asking them for marriage. Majrooh Sultanpuri has rightly said, "I was walking alone towards my destination, but people kept coming together and a caravan was formed." Perhaps this verse fits these women in today's times. But living alone is not a reason to reject marriage, there are many other aspects which need to be considered, so that you can know why the inclination of young women today is decreasing towards marriage! No complaints with life - Now women have started giving importance to career, social status and living life as per their wish. This is the reason why many women do not want to be bound by marriage. Everyone has the right to live life in their own way, but in our patriarchal society, women always have to follow the wishes of men. But now times are changing. Women's education and economic self-reliance have changed their situation. Even if not 100 percent, a large section of women from the educated class are now living life on their own terms. Leaving aside the worry about what the society will say, these women do what their heart says. That is why today the number of unmarried women has increased significantly as compared to before. The special thing is that these single women have no complaints about their loneliness?and they are moving forward winning the race of life. Completeness and happiness are not guaranteed - 'A woman is incomplete without becoming a wife and mother!' This Jumla is now a thing of the past. Tanu, 36, says, "I don't think marriage is a guarantee of perfection and happiness. I have seen many of my friends who, despite being married, feel lonely and unloved. Only you can fill the void inside you, no one else. "I am happy in my career and content with pursuing my passions." Today, even after seeing marital relationships breaking down around them, these women feel happy about their decision to live alone. Tanu says, "I am so busy with work from home to office that I don't even have time for myself, so how can I feel lonely. Anyway, mom and dad are all at home, so what kind of loneliness." Looking at these women, it can be said that the thinking and life of Indian women, who were once limited to their husbands, are now changing rapidly. It is not necessary to be married to be successful, the success or failure of a woman can be judged from her marital status. Was imposed. Meaning, if a woman's married life is happy then she is successful and if she is unsuccessful then the reason behind it is her disturbing marital life. There is life. But today's women have learned that their success has nothing to do with marriage. How successful a woman is, is an issue related to her career and being self-reliant, not related to marriage. Desire to be independent - The family structure of our country is such that even educated and working women do not get freedom. . There are various types of restrictions on them. They have to give account of everything. If they work outside, they are not even given relief from household chores. Apart from this, they have to ask before spending money on themselves from their income. Even if they are married, the husband has the right over their money. To avoid all this, nowadays girls prefer to remain single. Older age comes in the way - Many girls remain single even though they want to study, get settled in a job or do something, because by the time they fulfill their dream, their age passes and then they do not get good relationships. Can't get it. Therefore, despite their desire to get married, it becomes their compulsion to remain single. The landscape of relationships in India is changing rapidly and continuously. In the last few years, it has been moving towards a modern structure as compared to the traditional society. A survey conducted on various questions related to marriage and relationships found that Indian women are especially preferring to remain single. Today they are not in a hurry to get into a relationship just because of social demands. According to the survey, about 81 percent women across the country felt that being unmarried and living alone is more comfortable, even while dating someone. Of these, about 63 percent said that they would not only give preference to their partner's choice, but would also remain true to themselves. Many types of responsibilities come with getting into a marriage relationship. In such a situation, some women do not want to take the responsibility of family and children, hence they stay away from marriage, or due to the horrific experience of some accident after marriage, they give priority to a single life. On the other hand, due to the increasing trend of nuclear family, words like sharing their space, adjustment and sacrifice seem very heavy to them. They also stay away from marriage due to the fear that they will not be able to make any kind of sacrifice for someone else. Then, in this age of materialism, she breaks all the socio-religious taboos and starts searching for all the comforts and freedom in life.

Sunny Deol, who uprooted the hand pump in the film, is fond of keeping a teddy bear, son Karan revealed

Actor Sunny Deol is often seen in action avatar in films. Seeing his sizzling voice, two and a half kilo hands and dashing action on screen, it seems that he is exactly like that in real life too, but the reality is different. Sunny Deol is very gentle and shy in his life. Not only this, he has one hobby which does not match his filmy image at all and that is his love for teddy bears. The actor has a very good collection of teddy bears, this was revealed by his son Karan Deol himself. Let us tell you that this time in the second episode of Karan Johar's popular show 'Coffee with Karan 8', Sunny Deol and Bobby Deol. Will be attending as a guest. Its promo video has surfaced, in which Karan Deol was seen giving a standing ovation to both the Deol brothers. In the same show, Sunny Deol's elder son Karan Deol revealed his father's unique hobby. Actually, there was a segment in Karan's show, in which members of the Deol family made some interesting revelations about Sunny Deol and Bobby Deol. During this, Karan Deol made interesting revelations about his father and said that he is fond of teddy bears. And he has a very good collection of teddy bears in his room. Karan also told an incident and said that after seeing the collection of teddy bears, once someone asked him whether this is yours? To this Karan had replied, 'No'. Then asked if your mother will have a collection, on this also Karan refused. That person was also surprised and wanted to know who had collected these? Answering that person's question, Karan said, 'This is my dad's.' The man was surprised to hear this answer from Karan. He had no answer. After this Karan Johar asked Sunny Deol about his passion for teddy bears. The actor famous for action's love for teddy bears surprised even Karan. Sunny, who uproots the hand pump in the film, has a soft corner for teddy bears. Sunny Deol, while answering Karan's question, said, 'He finds teddy bears very cute and lovely'. Sunny Deol also admitted that he keeps a teddy bear in his car and sometimes even in his pocket. Sunny said that whenever he sees a nice teddy bear, he cannot stop himself from buying it.' The man was surprised to hear this answer from Karan. He had no answer. After this Karan Johar asked Sunny Deol about his passion for teddy bears. Sunny Deol, while answering Karan's question, said, 'He finds teddy bears very cute and lovely'. Sunny Deol also admitted that he keeps a teddy bear in his car and sometimes even in his pocket. Sunny said that whenever he sees a nice teddy bear, he cannot stop himself from buying it.' The man was surprised to hear this answer from Karan. He had no answer. After this Karan Johar asked Sunny Deol about his passion for teddy bears. The actor famous for action's love for teddy bears surprised even Karan. Sunny, who uproots the hand pump in the film, has a soft corner for teddy bears. Sunny Deol, while answering Karan's question, said, 'He finds teddy bears very cute and lovely'. Sunny Deol also admitted that he keeps a teddy bear in his car and sometimes even in his pocket. Sunny said that whenever he sees a nice teddy bear, he cannot stop himself from buying it.

The famous actress of the 90s is living a life of anonymity, once used to rule the hearts of fans.

Whenever an actress steps into Bollywood to fulfill her dreams, she aspires to achieve a position in the industry. There are very few whose dreams are fulfilled. The surprising thing is that sometimes even after fulfilling this dream of actresses, they are forced to live an anonymous life. Today we are going to introduce you to such actresses who dominated the cinematic screen in the 90s. However, after a few films, she completely disappeared from the industry and is now living an anonymous life. Anu Aggarwal- Who can forget Anu Aggarwal, who entered Bollywood with the 90s musical film 'Aashiqui'. Like the songs of the film, the pairing of her and Rahul Roy had settled in the hearts of the audience. This film was a superduper hit and 'Aashiqui' made Anu Aggarwal one of the top actresses. But after appearing in one or two films after the first film, she had an accident and after that she completely disappeared from the industry. Ashwini Bhave- Actress Ashwini Bhave, who started in Bollywood with 'Hina', got recognition. After this film, she was seen in the film 'Sainik' with Akshay Kumar. However, after appearing in some projects, Ashwini Bhave did not get the success she should have, so she turned to South films and stayed away from Bollywood forever. Ayesha Julka - 90 The name of Ayesha Julka, one of the beautiful actresses of the 1970s, is also included in this list. The actress had made a place in the hearts of the audience by working in many superhit films like 'Khiladi' and 'Jo Jeeta Wohi Sikandar'. However, even after becoming famous, Ayesha could not keep her footing in the industry for long. Neelam- Neelam Kothari was seen in many films in the 90s. Apart from doing films like 'Ek Boy Ek Ladki', 'Hum Saath Saath Hain' with Salman in her kitty, Neelam also did many films with Govinda. Neelam, who played lead and supporting roles in many films, could not play a long innings in Bollywood and soon moved away from films. Mamta Kulkarni - People used to worship this actress of the 90s like a goddess in the temple. The audience was so impressed by the beauty of Mamta Kulkarni that they even built a temple for her. Mamta Kulkarni, who worked in films like 'Waqt Hamara Hai' and 'Karan Arjun', was undoubtedly popular, but after that she turned towards the world of drugs. Due to this his career was ruined.

The film 'Farre' was made for OTT, it is reaching theaters because of Salman

Exactly 12 days after 'Tiger 3', Salman Khan's niece Alizeh's film 'Pharre' is releasing. Salman Khan was present with his brother Sohail Khan and sister Arpita Sharma during the trailer launch of this film in Mumbai on Wednesday. The film is based on the changing patterns of cheating during examinations in school. During the trailer launch of the film, Salman Khan gave the basic mantras of success to his niece and other actors of the film. Especially on this occasion, Salman Khan also said that it is important to focus on work in youth, boyfriends and girlfriends keep on being made and spoiled. After the trailer launch, when Salman Khan was asked that he liked the trailer of the film. How was it? Salman Khan said, 'If I say that I liked the trailer of the film very much, then people will say that it is a niece, that is why they are praising it.

Therefore, I will not tell you how I liked the trailer of the film. Yes, I would definitely like to say that when I heard the script of the film, I liked the story of the film very much.' During the trailer launch, Salman Khan told that this film was first going to be released on OTT. Salman Khan said, 'When I heard the script of the film, I thought that this film would be right for OTT. But after watching the film I changed my mind. I felt that since it has become a good film, it should not be wasted on OTT, so we are bringing it on the big screen. Later it will be released on OTT and satellite. Giving the basic mantra of success to the rest of the actors of the film including his niece, Salman Khan said, 'One should only concentrate on work and work continuously. Sometimes due to breakups, actors are not able to focus on their work, but while shooting, one should focus only on their work. Because at that time the performance you do in front of the camera remains the same. Girlfriends and boyfriends keep on changing. Giving the basic mantra of success to the rest of the cast of the film including his niece, Salman Khan said, 'One should only concentrate on work and work continuously. Sometimes due to breakups, actors are not able to focus on their work, but while shooting, one should focus only on their work. Because at that time the performance you do in front of the camera remains the same. Girl friends and boyfriends keep getting worse. Soumendra Padhi, who has directed the web series 'Jamtara', has directed this film. The film is produced by Salman Khan's sister Alvira Khan Agnihotri and his brother-in-law Atul Agnihotri and Nikhil Namit. At the same time, Salman Khan is presenting this film. Alizeh is Salman Khan's niece and daughter of Salman's sister Alvira Khan Agnihotri. Apart from Salman Khan, Sohail Khan, Alvira Khan Agnihotri, Atul Agnihotri, Arpita Khan Sharma and Ayush Sharma were present during the trailer launch of the film. This film is releasing on 24th November. Apart from Alizeh, Jane Shaw, Sahil Mehta, Prasanna Bisht, Ronit Bose Roy and Juhi Babbar have important roles in this film.